• जयपुर, गुरुवार, 15 अगस्त 24 • वर्ष 14 • अंक 1 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1 रुपये

www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्याः RJ/JPC/D19/2024-25

RNI. No. RAJHIND/2011/40950

दैनिक

राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

चमकता राजस्थान

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

पेज @4 जयपुर में अतिवृष्टि को दृष्टिगत रखते हुए जेडीसी ने ली अधिक...

पेज @5 गुणवत्ता पूर्वक, समयबद्ध रूप से स्टेट हाईवे का काम पूरा करें : उपमुख्यमंत्री...

पेज @8 बांग्लादेश में हिन्दूओं पर अत्याचार पर गुलाबी नगर में आक्रोश...

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''

● स्वामी विवेकानंद

मुख्यमंत्री ने जैसलमेर में बीएसएफ चौकी का किया दौरा

सीमा पर मुस्तैदी से अपना कर्तव्य निभाते हैं हमारे जवान, उनके कारण ही देश में अमन-चैन कायमः भजनलाल शर्मा

चमकता राजस्थान

जयपुर, 14 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारे जवानों द्वारा सीमा पर मुस्तैदी से की जा रही चौकसी के कारण ही देश की जनता सुरक्षित है और देश में अमन-चैन कायम है। उन्होंने कहां कि सीमा सुरक्षा बल के जवान राष्ट्र के हर व्यक्ति के लिए वंदनीय है।

शर्मा बुधवार को जैसलमेर में भारत-पाक सीमा पर स्थित बाबलियानवाला चौकी पर तैनात बीएसएफ के जवानों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने जवानों के पुरुषार्थ की प्रशंसा करते हुए कहा कि कड़ी धूप में जहां आम व्यक्ति के लिए कुछ मिनट भी खड़े रहना मुश्किल होता है, वहीं हमारे जांबाज सीमा प्रहरी राष्ट्रभक्ति के भाव से सीमा पर मुस्तैदी से चौकसी करते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जवानों के बीच आकर उन्हें नई ऊर्जा का अहसास हो रहा है और ये पल उनके लिए अविस्मरणीय रहेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सदैव सीमा सुरक्षा बल के साथ है और सरकार की ओर से उन्हें हर संभव सुविधाएं और सहायता उपलब्ध करवायी जाएंगी।

मुख्यमंत्री ने जवानों को दी स्वाधीनता दिवस की बधाई

» इस दौरान मुख्यमंत्री शर्मा ने बाबलियानवाला सीमा चौकी का दौरा किया एवं दूरबीन से सीमा का अवलोकन किया। उन्होंने जवानों एवं अधिकारियों से भी मुलाकात की और उन्हें स्वाधीनता दिवस की बधाई देते हुए मिठाई वितरित की। महिला जवानों ने मुख्यमंत्री को रक्षा सूत्र भी बांधें। सीमा सुरक्षा बल के महानिरीक्षक एम.एल. गर्ग, उप महानिरीक्षक योगेन्द्र सिंह राठौड एवं 166 बटालियन के कमाण्डेंट वीरेन्द्र प्रताप सिंह ने स्मृति चिन्ह भेट कर मुख्यमंत्री का अभिनन्दन किया।

मुख्यमंत्री ने किए मां तनोटराय के दर्शन

» इससे पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आदि शक्ति मां तनोटराय के दर्शन किए एवं पूजा-अर्चना की। उन्होंने देश व प्रदेश में सुख-समृद्धि तथा खुशहाली की मंगल कामना की। मुख्यमंत्री ने वहां स्थित शिव मन्दिर के भी दर्शन किए एवं परिसर में स्थित विजय स्तम्भ पर पुष्पचक्र अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उप मुख्यमंत्री प्रेमचन्द बैरवा, जैसलमेर विधायक छोटूसिंह भाटी, संभागीय आयुक्त बी.एल. मेहरा, पुलिस महानिरीक्षक विकास कुमार सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

नोटिस

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सभी सुधी पाठकों, विज्ञापनदाताओं, अभिकर्त्ताओं एवं हॉकर बंधुओं को चमकता राजस्थान परिवार की ओर से ढेर सरी शुभकामनाएं।

- संपादक

सूचना

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर चमकता राजस्थान कार्यालय एवं प्रेस 15 अगस्त को बंद रहेंगे। अतः पाठकों को अगला अंग शनिवार 17 अगस्त को मिलेगा।

- व्यवस्थापक

समाज में कलह पैदा करने वाली प्रवृत्तियों को करें खारिज : राष्ट्रपति

नयी दिल्ली । एजेंसी

- सामाजिक न्याय सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता
- स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र के नाम राष्ट्रपति का संबोधन

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भारत जैसे विशाल देश में ऊंच-नीच की धारणा के आधार पर कलह पैदा करने वाली प्रवृत्तियों को खारिज करने का आह्वान करते हुए कहा कि सामाजिक न्याय सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और देश में सामाजिक लोकतंत्र निरंतर मजबूत हो रहा है।

राष्ट्रपति ने बुधवार को स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र के नाम संबोधन में कहा, 'अपनी विविधताओं और बहुलताओं के साथ, हम एक राष्ट्र के रूप में, एकजुट होकर, एक साथ, आगे बढ़ रहे हैं। समावेश के साधन के रूप में, सकारात्मक कदमों को मजबूत किया जाना चाहिए। मैं दृढ़ता के साथ यह मानती हूं कि भारत जैसे विशाल देश में, कथित सामाजिक स्तरों के आधार पर कलह को बढ़ावा देने वाली प्रवृत्तियों को खारिज करना होगा।' राष्ट्रपति ने डॉक्टर बी.आर. अंबेडकर को उद्धृत करते हुए कहा, 'हमें अपने राजनीतिक लोकतंत्र को सामाजिक लोकतंत्र भी बनाना चाहिए। राजनीतिक लोकतंत्र तब तक नहीं टिक सकता जब तक कि उसके आधार में सामाजिक लोकतंत्र न हो।' उन्होंने कहा कि भारत में राजनीतिक लोकतंत्र ने निरंतर प्रगति की है और इस बात की पुष्टि करता है कि देश में सामाजिक लोकतंत्र मजबूत हुआ है।

राष्ट्रपति ने कहा, 'समावेशी भावना, हमारे सामाजिक जीवन के हर पहलू में दिखाई देती है। सामाजिक न्याय सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सरकार ने अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और समाज के अन्य हाशिए के वर्गों के कल्याण के लिए अनेक अभूतपूर्व कदम उठाए हैं।' इसी संदर्भ में उन्होंने सरकार द्वारा दलितों, जनजातीय समूहों के उत्थान के लिए लागू की जा रही योजनाओं और अभियानों का भी उल्लेख किया।

उन्होंने आर्थिक क्षेत्र में भारत की तीव्र प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत पिछले चार वर्षों से सबसे तेज गति से बढ़ने वाली बड़ी अर्थ-व्यवस्थाओं में शामिल है। भारत के पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि देश शीघ्र ही विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के निकट है। उन्होंने इस सफलता का श्रेय देश के किसानों और श्रमिकों की अथक मेहनत, नीति-निर्माताओं और उद्यमियों की दूरगामी सोच तथा देश के दूरदर्शी नेतृत्व का सुफल बताया। उन्होंने कहा कि तीव्र विकास से लोगों की आमदनी बढ़ी है और गरीबी भी काफी कम हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार हर गरीब व्यक्ति की सहायता कर उसे इस गर्त से बाहर निकालने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।

राष्ट्रपति ने अन्नदाता किसानों की सराहना करते हुए कहा कि उनकी मेहनत से देश में अनाज उत्पादन बढ़ा है और खाद्य सुरक्षा में उनका योगदान अमूल्य है। उन्होंने कहा कि सरकार हाल के वर्षों में इन्फ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा दिया है जिससे सड़कों, राजमार्गों, रेलवे और बंदरगाहों का नेटवर्क तेजी से बढ़ा है। निवेशकों में भारत के प्रति आकर्षण और अधिक बढ़ गया है।

न्यूज अपडेट

देशवासियों के लिए खुशखबरी, विनेश फोगाट को सिल्वर मेडल मिलने को लेकर आया

नई दिल्ली/एजेंसी। भारतीय पहलवान विनेश फोगाट की पेरिस ओलंपिक में फाइनल से पहले अयोग्य ठहराए जाने के खिलाफ अपील पर फैसला फिर 16 अगस्त तक स्थगित कर दिया। विनेश को सिल्वर मेडल भी नहीं दिया गया। इस फैसले के खिलाफ उन्होंने कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स में अपील की है

फैसला एथलीट के पक्ष में आएगाः जय प्रकाश चौधरी

हालांकि, इस फैसले को 16 अगस्त तक के लिए टाल दिया गया है। अब 16 अगस्त की रात 9:30 बजे विनेश के मेडल पर फैसला आएगा। इसी बीच भारतीय कुश्ती महासंघ के उपाध्यक्ष जय प्रकाश चौधरी ने कहा कि उन्हें लगता है कि फैसला एथलीट के पक्ष में आएगा। ऐसा नहीं होना चाहिए था। लेकिन, मुझे लगता है कि विनेश के पक्ष में कुछ न कुछ जरूर आएगा। ऐसा लगता है कि कुछ ताकतवर लोग इसमें शामिल हैं और उसे मेडल मिलेगा। जय प्रकाश चौधरी ने आगे कहा, विनेश के साथ जो हुआ वो उसमें उसके स्टाफ की गलती है। वजन कैसे कम करना है, यह उनका काम है। लेकिन, देखते हैं 16 अगस्त को क्या होता है। इस केस में बड़े वकील विनेश का पक्ष रख रहे हैं। पीएम मोदी ने इस मामले पर संज्ञान लिया है।

छावनी में तबदील दिल्ली, कई तरह के प्रतिबंध, 15 अगस्त को लेकर पढ़ें पुलिस की एडवाइजरी

नई दिल्ली/एजेंसी। स्वतंत्रता दिवस को लेकर दिल्ली छावनी में तबदील कर दी गई है। वहीं पुलिस ने यातायात एडवाइजरी जारी की है, जिसमें मुख्य समारोह में आमंत्रित लोगों की सुविधा और सुरक्षा कारणों से बृहस्पतिवार को लाल किला क्षेत्र के आसपास आवाजाही पर कुछ प्रतिबंध लगाए गए हैं।

एडवाइजरी में पैरा-ग्लाइडर, हाट एयर बैलून और छोटे आकार के पावर्ड एयरक्राफ्ट जैसे उप-पारंपरिक आसमान में उडने वाली चीजों पर एक अगस्त को लगाए गए प्रतिबंध को भी दोहराया है। एडवाइजरी में कहा गया है कि नेताजी सुभाष मार्ग, लोथियन रोड, मुखर्जी मार्ग, चांदनी चौक रोड, निषाद राज मार्ग, एस्प्लेनेड रोड और नेताजी सुभाष मार्ग से जुड़े लिंक रोड, राजघाट से आईएसबीटी तक रिंग रोड और आईएसबीटी से आईपी फ्लाईओवर तक आउटर रिंग रोड 14 अगस्त को आम यातायात के लिए बंद रहेंगे। स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए बिना पार्किंग लेबल वाले वाहनों को सी-हेक्सागन, इंडिया गेट, कोपरनिकस मार्ग, मंडी हाउस, सिकंदरा रोड, डब्ल्यू प्वाइंट, ए प्वाइंट तिलक मार्ग, मथुरा रोड, बीएसजेड मार्ग, नेताजी सुभाष मार्ग, जेएल नेहरू मार्ग, निजामुद्दीन खट्टा और आईएसबीटी कश्मीरी गेट के बीच रिंग रोड और निजामुद्दीन खट्टा से सलीमगढ़ बाईपास होते हुए आईएसबीटी कश्मीरी गेट तक आउटर रिंग रोड से बचने को कहा गया है।

वहीं आम जनता को सलाह दी गई है कि वे कैमरा, दूरबीन, रिमोट कंट्रोल वाली कार की चाबियां, छाता, हैंडबैग, ब्रीफ-केस, ट्रांजिस्टर, सिगरेट लाइटर, टिफिन बॉक्स, पानी की बोतलें, लंच बॉक्स आदि न लाएं। इसमें लोगों से किसी भी संदिग्ध वस्तु को न छूने और ऐसी किसी भी वस्तु की मौजूदगी की तुरंत नजदीकी पुलिसकर्मी को सूचना देने को कहा गया है। पैरा-ग्लाइडर, पैरा-मोटर्स, हैंग ग्लाइडर, यूएवी, माइक्रो लाइट एयरक्राफ्ट, रिमोट से संचालित एयरक्राफ्ट, हाट एयर बैलून, छोटे आकार के पावर्ड एयरक्राफ्ट, क्वाडकाप्टर या एयरक्राफ्ट से

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राजस्थान पुलिस बैंड की मोहक धुनों पर बही राष्ट्रभक्ति की रसधार 'ये जिंदगी है कौम की तूं कौम पर लुटाए जा...'

चमकता राजस्थान

जयपुर, 14 अगस्त। स्वाधीनता दिवस की पूर्व संध्या पर जनपथ स्थित अमर जवान ज्योति पर राजस्थान पुलिस के केन्द्रीय पुलिस बैंड, हाड़ी रानी महिला बटालियन पाइप पुलिस बैंड, तेरहवीं बटालियन बैंड, जयपुर पुलिस आयुक्तालय के बैंड तथा आरएसी की चौथी एवं पांचवी बटालियन के बैंडवादकों ने अपनी सामूहिक प्रस्तुतियों में देशभक्ति की बयार बहाकर उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया।

बैंड वादकों ने जय हो...', कदम-कदम बढ़ाए जा, खुशी के गीत गाए जा, ये जिंदगी है कौम की तू कौम पर लुटाए जा....' जैसे देश भक्ति के नगमों की धुनों की आकर्षक प्रस्तुतियों से समां बांधते हुए माहौल में देश भक्ति का रस घोल दिया। राजस्थान पुलिस के बैंडवादकों के इस दल ने आकर्षक गणवेश में अनुशासन और लयबद्धता के साथ प्रस्तुतियों की अमिट छाप छोड़ी। राष्ट्रभक्तिमय इस वातावरण में बारिश की मन्द फुहारों ने भी जयपुरवासियों के उत्साह को बढ़ाकर माहौल को खुशनुमा बना दिया।

कार्यक्रम में मौजूद पुलिस महानिदेशक उत्कल रंजन साहू सहित पुलिस मुख्यालय से एडीजी और आईजी रैंक के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने बैंडवादक पुलिसकर्मियों की हौसला अफज़ाई की। वहीं बैंडवादकों की प्रस्तुतियों ने आमजन और गणमान्य लोगों से भी खूब तालियां बटोरी।

जबलपुर से हुआ झंडा सत्याग्रह का शंखनाद और पूरे भारत में मनाया गया झंडा दिवस

झंडा किसी भी राष्ट्र की संप्रभुता और सत्ता का सर्वोच्च प्रतीक है, इसलिए तो स्वतंत्रता दिवस एवं गणतंत्र दिवस – राष्ट्रीय पर्व में क्रमशः ध्वजारोहण और ध्वज फहराया जाता है। इसलिए भारतीय तिरंगे झंडे का महत्व समझा जाना चाहिए, उसे फैशन की वस्तु नहीं समझना चाहिए – वर्ष में केवल दो दिन ही झंडे का महत्व नहीं है।

अब देखिये न तिरंगे झंडे को फहराने के लिए जबलपुर से ही सर्वप्रथम 'झंडा सत्याग्रह' का शुभारंभ हुआ और जिसका संपूर्ण भारत में विस्तार हुआ... परंतु कितना संघर्ष हुआ जब जबलपुर में यूनियन जैक की जगह तिरंगा फहराया गया। अत्यंत गर्व और गौरव का विषय है कि जबलपुर से 18 मार्च, 1923 को झंडा सत्याग्रह का शुभारंभ हुआ, और नागपुर से इसने व्यापक रुप लिया, जिसका 18 जून, 1923 को 'झंडा दिवस' के रूप में देशव्यापीकरण हुआ और मनाया गया था। 17 अगस्त, 1923 को अपनी सफलता की कहानी लिखता हुआ, समाप्त हुआ। झंडा सत्याग्रह की पृष्ठभूमि और इतिहास आरंभ अक्टूबर 1922 से ही हो गया था जब असहयोग आंदोलन की सफलता और प्रतिवेदन के लिए कांग्रेस ने एक जांच समिति बनाई थी और वह जबलपुर पहुंची तब समिति के सदस्यों को विक्टोरिया टाऊन हाल में अभिनंदन पत्र भेंट किया गया और तिरंगा झंडा (उन दिनों चक्र की जगह चरखा होता था) भी फहरा दिया गया।

समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरें इंग्लैंड की संसद तक पहुंच गईं। हंगामा हुआ और भारतीय मामलों के सचिव विंटरटन ने सफाई देते हुए आश्वस्त किया कि अब भारत में किसी भी शासकीय या अर्धशासकीय इमारत पर तिरंगा नहीं फहराया जाएगा। इसी पृष्ठभूमि ने झंडा सत्याग्रह को जन्म दिया। मार्च 1923 को पुनः कांग्रेस की एक दूसरी समिति रचनात्मक कार्यों की जानकारी लेने जबलपुर आई जिसमें डॉ. राजेंद्र प्रसाद, सी राजगोपालाचारी, जमना लाल बजाज और देवदास गांधी प्रमुख थे। आप सभी को मानपत्र देने हेतु म्युनिसिपल कमेटी प्रस्ताव कर डिप्टी कमिश्नर किस्मेट लेलैंड ब्रुअर हेमिल्टन को पत्र लिखकर टाऊन हाल पर झंडा फहराने की अनुमति मांगी लेकिन हेमिल्टन ने कहा कि साथ में यूनियन जैक भी फहराया जाएगा इस बात पर म्युनिसिपैलटी के अध्यक्ष कंछेदी लाल जैन तैयार नहीं हुए। इसी बीच नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पं. सुंदरलाल ने जनता को आंदोलित किया कि टाऊन हाल में तिरंगा अवश्य फहराया जाएगा। तिथि 18 मार्च तय की गई क्योंकि महात्मा गांधी को 18 मार्च, 1922 को जेल भेजा गया था और 18 मार्च, 1923 को एक वर्ष पूर्ण हो रहा था। 18 मार्च को पं. सुंदरलाल की अगुवाई पं. बालमुकुंद त्रिपाठी, बद्रीनाथ दुबे जी, श्रीमती सुभद्रा कुमारी चौहान, माखन लाल चतुर्वेदी, एवं नाथूराम मोदी के साथ लगभग 350 सत्याग्रही टाऊन हाल पहुंचे और उस्ताद प्रेमचंद ने अपने तीन साथियों सीताराम जादव, परमानन्द जैन और खुशालचंद्र जैन ने मिलकर टाऊन हाल पर तिरंगा झंडा फहराया दिया।

कैप्टन बंबावाले ने लाठीचार्ज करा दिया जिसमें श्रीयुत सीताराम जादव के दांत तक टूट गए थे, सभी को गिरफ्तार किया और तिरंगा को पैरों तले कुचल कर जप्त कर लिया। अगले दिन पं सुंदरलाल जी को छोड़कर सभी मुक्त कर दिए गए इन्हें छः माह का कारावास हुआ उसके बाद से इन्हें तपस्वी सुंदरलाल जी के नाम से जाना जाने लगा। इस सफलता के उपरांत उत्साहित होकर नागपुर से व्यापक स्तर पर झंडा सत्याग्रह का आरंभ एवं प्रसार लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के नेतृत्व हुआ जिसमें जबलपुर के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने न केवल भाग लिया वरन गिरफ्तारी दी। श्रीमती सुभद्रा कुमारी चौहान भारत की पहली महिला स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थीं जिन्होंने झंडा सत्याग्रह में अपनी गिरफ्तारी दी। 18 जून को झंडा सत्याग्रह का देशव्यापीकरण हुआ और झंडा दिवस मनाया गया। झंडा सत्याग्रह व्यापक स्तर पर फैल गया और आखिरकार 17 अगस्त, 1923 को 110 दिनों के संघर्ष उपरांत अपना लक्ष्य प्राप्त कर झंडा सत्याग्रह वापस ले लिया गया।

इस समझौते के अंतर्गत राष्ट्रीय झंडे को ले जाने का अधिकार प्राप्त हुआ और नागपुर के सत्याग्रही मुक्त कर दिए गए परंतु जबलपुर के सत्याग्रही अपनी पूरी सजा काटकर ही वापस आए।जिसमें नाथूराम मोदी दृढ़ संकल्प के प्रतीक रहे और उन्हें 1923 के झंडा सत्याग्रह में डेढ़ वर्ष का सश्रम कारावास हुआ। कारावास की कठिन यातनाओं के कारण इनके रक्त में खराबी उत्पन्न हो जाने पर जेल से छूटने के बाद अधिक समय तक जीवित न रह सके। हिन्दी भाषी मध्य प्रदेश से 1265 सत्याग्रहियों को कारावास की सजा भुगतनी पड़ी। इस तरह भारत के स्वाधीनता संग्राम में राष्ट्रीय झंडे की मानरक्षा और फहराने का श्रेय जबलपुर के महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को जाता है।

जब बंटा देश- किसने दिया था शरणार्थियों को सहारा

आरके सिन्हा

मनोज कुमार को सारा देश उनकी देशभक्ति से रची-बसी फिल्मों की मार्फत बखूबी जानता है। उन्होंने एक बार बताया था कि उनका परिवार जब देश के बंटवारे के बाद सरहद के उस पार से लूटा-पिटा 1947 में दिल्ली में आया तो उनके परिवार के कई सदस्य दंगाइयों के हमलों के कारण चोटग्रस्त थे। उनका छोटा भाई बीमार था। तब उन सबका इलाज सेंट स्टीफंस अस्पताल में हुआ था। उस दौर में दिल्ली जंक्शन, जिसे पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन भी कहा जाता है, में आ रहे शरणार्थियों को दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी (डीबीएस) के वालंटियर इलाज के लिए अपने सेंट स्टीफंस अस्पताल लेकर जा रहे थे या फिर सिविल लाइंस के ब्रदरहुड हाउस परिसर में शरण दे रहे थे। देश के बंटवारे के कारण पाकिस्तान से लाखों हिन्दू और सिख शरणार्थी दिल्ली आए थे। ये ज्यादातर दिल्ली जंक्शन पर ही आते थे। तब इनके पास नए शहर में खुले आसमान के अलावा कुछ नहीं होता था। उस भीषण दौर में दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी, राष्ट्र स्वंयसेवक संघ और कुछ सिख संगठनों के कार्यकर्ता ही शरणार्थियों को मदद दे रहे थे।

दरअसल भारत के लिए हरेक स्वाधीनता दिवस दो तरह की अनुभूतियां लेकर आता है। पहला, देश को ब्रिटिश सरकार के चंगुल से मुक्ति मिल गई। इसलिए उन तमाम स्वाधीनता सेनानियों के प्रति मन में अपार श्रद्धा का भाव पैदा होने लगता है, जिनके बलिदानों की वजह से गोरे यहां से गए। दूसरा, देश को 15 अगस्त 1947 को आजादी के साथ बंटवारे का दंश भी झेलना पड़ा। भारत दो भागों में बंट गया। उस दौर में राजधानी दिल्ली में लाखों हिन्दू और सिख शरणार्थी आ गए थे। तब दिल्ली जंक्शन पर आने वालों में मिल्खा सिंह भी थे। वे आगे चलकर महान धावक बने। देश के बंटवारे के समय इंसानियत मरी पड़ी थी। मिल्खा सिंह के माता-पिता का कत्ल कर दिया गया था। पर तब भी कुछ फरिश्ते तो मौजूद थे ही। वे उन्हें रेल के लेडीज कूपे में छिपाकर ले आए थे। वे अपनी बहन से बिछड़ गए थे। जरा सोचिए कि अनजान और विभाजन के कारण अस्त-व्यस्त शहर में मिल्खा सिंह अपनी दंगों के दौरान गुम हो गई बहन को कैसे खोज रहे होंगे। पर उन्होंने अपनी बहन को अंततः

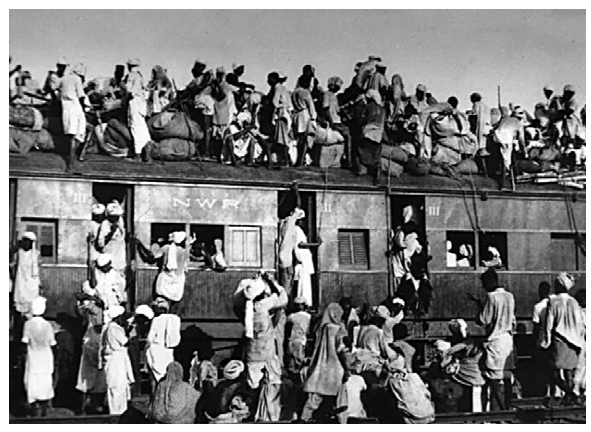

तलाश कर लिया था।

देश की राजधानी होने के बावजूद दिल्ली विभाजन की घड़ी में उस समय, आज के मुकाबले एक छोटा सा शहर ही तो था। तब सेंट स्टीफंस अस्पताल की हेड डॉ. रूथ रोसवियर के नेतृत्व में यहां घायल और बीमार शरणार्थियों का इलाज हो रहा था। डॉ. रूथ ब्रिटिश नागरिक थीं। इस अस्पताल को दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी ने 1885 में खोला था। इसी ने सेंट स्टीफंस कॉलेज स्थापित किया था। अब इसने सोनीपत में सेंट स्टीफंस कैम्ब्रिज स्कूल भी खोला है।

दूसरी ओर देखें तो करोल बाग में डॉ. एन.सी.जोशी उस संकट के दौर में दिल्ली वालों की सेवा में जुटे रहते थे। करोल बाग में 1947 के दौरान जब दंगे भड़के तो उसके शिकार डॉ.जोशी भी हो गए थे। उधर, इरविन अस्पताल (अब लोक नायक जयप्रकाश नारायण अस्पताल) के मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ बनवारी लाल और उनके कबूल चंद वाल्मिकी जैसे मेहनती साथियों के द्वारा रोगियों का दर्द दूर किया जा रहा था। दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी के वर्कर बहुत से रोगियों को

लेडी हार्डिंग मेडिकल अस्पताल भी इलाज के लिए लेकर जा रहे थे। तब तक नई दिल्ली एरिया का यह एकमात्र कायदे का अस्पताल था। उस दौर में इधर की प्रिंसिपल-डायरेक्टर डॉ. के.जे. मैक्डरमेट (1946- 1948) और डॉ. ओ.पी.बाली (1948-1950) की देखरेख में रोगियों की भीड़ का खुशी-खुशी इलाज हो रहा था। 1947 तक इधर की छात्राएं अपना सालाना इम्तिहान देनेके लिए लाहौर जाती थीं। उनका इम्तिहान किंग एडवर्ड मेडिकल कालेज में होता था। तब ये कॉलेज पंजाब यूनिवर्सिटी का हिस्सा था। इस बीच, दिल्ली वालों की सेवा करने में डॉ. विशम्भर दास भी थे। उन्होंने सन 1922 में नई दिल्ली एरिया में बिशम्भर फ्री होम्पैथिक डिस्पेंसरी की स्थापना की और जीवनपर्यंत दीन-हीनों का इलाज करते रहे। उनके नाम पर डॉ. विशम्बर दास मार्ग है,जिसे 1965 से पहले एलेनबे रोड कहा जाता था।

आपको अब भी बहुत सारे शरणार्थी परिवार मिल जाएंगे जो बताएंगे कि अगर दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी से जुड़े फादर इयान वेदरवेल और उनके साथियों का साथ ना मिलता तो वे कहीं के नहीं रहते। वे विभाजन के कारण सड़क पर आ गए थे। फादरवेदरवेल दिन-रात शरणार्थियों के पुनर्वास में लगे थे। 1925 में स्थापित ब्रदरहुड हाउस में हर रोज शरणार्थियों को रहने के लिए छत और गरम और ताजा भोजन मिल रहा था। वेदरवेल का भारत से सबसे पहले रिश्ता तब स्थापित हुआ था जब दूसरा विश्व महायुद्ध चल रहा था। वे ब्रिटेन की फौज में थे। पंजाब रेजीमेंट में थे। भारत के कुछ शहरों में रहे भी थे। विश्व महायुद्ध की समाप्ति के बाद उनका जीवन बदला। उनका सैनिक की नौकरी से मन उखड़ने लगा। वे युद्ध के विरूद्ध बोलने- लिखने लगे। उन्होंने जंग के कारण होने वाली तबाही को अपनी आंखों से देखा था। उससे वे विचलित रहने लगे थे। उन्हें युद्ध की निरर्थकता समझ आ गई थी। तब उन्होंने कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी से थीआलजी (धर्म शास्त्र) की डिग्री ली। वे अपने जीवन में शांति चाहते थे। समाज सेवा करने की उनकी इच्छा थी। कुछ समय तक लंदन में रहे और फिर भारत आ गए। फादर इयान वेदरवेल ने फिर अपना शेष जीवन गरीब गुरुबा और हाशिये पर धकेल दिए लोगों के हक में काम करने में लगा दिया। फादर इयान वेदरवेल फादर वेदरवेल की जान बसती थी भारत में। उन्हें यहां का सब कुछ अच्छा लगता था। यहां के लोग, बच्चे, पेड़, पौधे, नदियां वगैरह। फादर वेदरवेल की शख्सियत पर महात्मा गांधी का प्रभाव साफ नजर आता था।

भारत जब अपना स्वाधीनता दिवस मना रहा है, तब हमें स्वाधीनता सेनानियों के साथ-साथ उन तमाम अनाम शख्सियतों का स्मरण कर लेना चाहिए जिन्होंने शरणार्थियों को सहारा दिया था। एक बात समझ लें कि तब देश में सरकार नाम की कोई चीज नहीं रह गई थी। सब तरफ अराजकता और अव्यवस्था थी। उस दौर में निस्वार्थ भाव से शरणार्थियों का साथ देने वालों को सदैव याद रखा जाना चाहिए।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

ढाई हजार साल में 24 विभाजन हुए भारत के

रमेश शर्मा

संसार में भारत अकेला ऐसा देश है जिसका इतिहास यदि सर्वोच्च गौरव से भरा है तो सर्वाधिक दर्द से भी। यह गौरव है पूरे संसार को शब्द, गणना और ज्ञान विज्ञान से अवगत कराने का। ... और दर्द है निरंतर आक्रमणों और अपनी धरती के हुये विभाजन का। बीते ढाई हजार वर्षों में 24 और 1873 से 1947 के बीच केवल सत्तर सालों में सात विभाजन हुए। अंतिम विभाजन करोड़ों लोगों के बेघर होने और लाखों निर्दोष नागरिकों की निर्मम हत्या के साथ हुआ। आज स्वतंत्र भारत का जो स्वरूप और सीमा हम देख रहे हैं उसका भूगोल अतीत के गौरव का 10 प्रतिशत भी नहीं है। वैदिक संस्कृति से आलोकित इस भू-भाग का नाम कभी जंबूद्वीप था। इसका स्मरण आज भी पूजन संकल्प में होता है "जंबूद्वीपे भरत खंडे आर्यावर्ते.. " पर यह अब केवल इतिहास की पुस्तकों तक ही सिमिट गया। समय के साथ भारत कभी आर्यावर्त है तो कभी भारतवर्ष भी रहा। हिमालय इसके मध्य में था, जिसके शीर्ष का नाम गौरीशंकर था। अंग्रेजों ने उसका नाम एवरेस्ट कर दिया। नेपाल, भूटान, श्रीलंका, मालदीव, म्यांमार तिब्बत, पाकिस्तान और बंगलादेश ही नहीं कम्बोडिया, इराक, ईरान और इंडोनेशिया भी कभी भारत का अंग रहे हैं। तब कम्बोडिया का नाम कम्बोज और इंडोनेशिया का नाम दीपान्तर था।

संसार के लगभग सभी देशों में प्राचीन भारतीय संस्कृति और परंपरा के प्रमाण मिलते हैं। उनकी लोक भाषा में संस्कृत के शब्द भी सरलता से मिल जाते हैं। इसके दो कारण हैं। एक तो वह भूभाग जो भारतवर्ष का अंग रहा और दूसरा देशाटन से संस्कृति पहुंची। भारत की विशालता को समझने के लिए वह एक मंत्र ही पर्याप्त है जो आज भी पूजन के संकल्प में दोहराया जाता है- "जम्बू द्वीपे भारतखंडे आर्याव्रत देशांतर्गतेङ्ग अर्थात जम्बू द्वीप के अन्तर्गत भरतखंड और भरत खंड के अंतर्गत आर्यावर्त...। यदि हम वैदिककालीन जम्बू द्वीप को देखें तो यह चारों ओर खारे समुद्र जल से घिरा हुआ है। इसे हम आज का एशिया महाद्वीप कह सकते हैं। इसके अंतर्गत भारतवर्ष। वैदिक काल भारतवर्ष कुल चार साम्राज्य में विभाजित था। पहला आनर्त, साम्राज्य नर्मदा से नीचे समुद्र पर्यंत। श्रीलंका आदि इसी के अंतर्गत थे। दूसरा ब्रह्मवर्त,

यह नर्मदा से गंगा के बीच का भाग, तीसरा आर्यावर्त, यह गंगा से हिमालय पर्यंत, और चौथा पर्सवर्त। पर्सवर्त साम्राज्य ही आगे चलकर पारस साम्राज्य के नाम से जाना गया। सिकन्दर के भारत पर आक्रमण के समय इसका नाम पारस साम्राज्य ही था और वहां आर्य वैदिक संस्कृति जीवन्त थी। आजकल यह क्षेत्र इराक और अन्य नाम से जाना जाता है। निसंदेह आर्यावर्त ज्ञान-विज्ञान और अनुसंधान का केन्द्र था पर समूचा भारत आर्यावर्त नहीं था। विभिन्न जीवन शैलियां अपने अपने ढंग से विकास कर रही थीं। लेकिन आर्य कोई नस्ल नहीं थी एक जीवनशैली थी इसलिए कहा ऋग्वेद में विश्व को आर्य बनाने का संकल्प है।

ऋग्वेद (10/75) में आर्य निवास में प्रवाहित होने वाली जिन नदियों का वर्णन मिलता है, उनमें कुभा (काबुल नदी), क्रुगु (कुर्रम), गोमती, सिंधु, परुष्णी (रावी), शुतुद्री (सतलज), वितस्ता (झेलम), सरस्वती, यमुना तथा गंगा के नाम हैं। यह क्षेत्र गंगा से हिमालय पर्यन्त ही ठहरता है। इंडोनेशिया में तेरहवीं शताब्दी तक वैदिक आर्य और बौद्ध धर्म था। इंडोनेशिया में पुराने राजवंशों के जो नाम मिलते हैं उनमें श्रीविजय, शैलेन्द्र, माताराम जैसे नाम मिलते हैं। सुमात्रा में नौवीं शताब्दी तक वैदिक आर्य परंपरा रही है। यही स्थिति वियतनाम और कंबोडिया की है। इन देशों में पुराने राजवंशों के नाम सनातनी परंपरा के रहे हैं। लेकिन यह सब पिछले ढाई हजार वर्षों में भारत से दूर हुए।

यदि हम बहुत पुरानी बात न करें। केवल 1876 के बाद की बात करें तो 1876 से 1947 के बीच कै कुल 71 वर्षों में भारत के कुल सात विभाजन हुए और भारत का दो तिहाई हिस्सा पराया हो गया। अफगानिस्तान, श्रीलंका, म्यामार आदि सब इसी अवधि में भारत से अलग हुए। इसकी भूमिका 1857 की क्रांति से बन गई थी। अंग्रेजों के शासन का सिद्धांत "बांटो और राज करो" था। इसलिए उन्होंने विशाल भारतीय साम्राज्य को बांटना आरंभ किया और चारों ओर बफर स्टेट बनाना आरंभ किया।

1876 में अफगानिस्तान को भारत से अलग किया। 1906 में भूटान को। 1935 में श्रीलंका को। 1937 में वर्मा यनी म्यांमार और 1947 पाकिस्तान के रूप में भारत की धरती पर एक नये देश का उदय हुआ। जो 1971 में विखंडित होकर पाकिस्तान के भीतर से बांग्लादेश का उदय हुआ। 1857 की क्रांति भले असफल हो गई थी पर इसके बाद अंग्रेजों ने अपनी सत्ता को सशक्त और स्थाई बनाने के अनेक उपाय किए। पुलिस आदि की व्यवस्था करके न केवल जाति धर्म और भाषा के नाम से विभाजन आरंभ किया अपितु देशात्मक सत्ता के रूप में विभाजन आरंभ किया। ताकि यदि किसी एक क्षेत्र में कमजोर होते हों तो दूसरे क्षेत्र की सेना से नियंत्रित कर सकें। इसीलिए उन्होंने भारत के विभाजन की शुरुआत की। 1876 में भारत का कुल क्षेत्रफल 83 लाख वर्ग किलोमीटर था। जो धीरे-धीरे घटकर अब केवल 33 लाख वर्ग किलोमीटर रह गया। यनी यदि पुराने इतिहास की बात न करें केवल 1874 से 1947 के बीच की बात करें तो इसी अवधि में भारत का पचास लाख वर्ग किलोमीटर भूभाग पराया हो गया।

भारत का अंतिम विभाजन 14 अगस्त 1947 को हुआ। इसलिए भारत में 14 अगस्त अखंड भारत दिवस के रूप में मनाया जाता है। भारत में बड़ी संख्या में करोडों लोग हैं जो यह मानते हैं कि पूजा पद्धति बदलने से न तो पूर्वज बदलते हैं और न राजनैतिक परिस्थितियां बदलने से राष्ट्र भाव बदलता है। इसलिए यह समूह आज भी पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, म्यांमार, श्रीलंका, तिब्बत आदि प्रति अपनत्व का भाव रखता है। भारत में ऐसे अनेक सामाजिक संगठन और करोड़ों लोग हैं, जो यह आशा करते हैं कि भारत कभी न कभी अखंड अवश्य होगा। इसीलिए समय-समय प्रसार माध्यमों में अखंड भारत की ध्वनि सुनाई देती है। इसीलिए भारत के अंतिम विभाजन दिवस 14 अगस्त को अखंड भारत दिवस मनाने के पीछे के भाव भी यही है कि समाज को भारत राष्ट्र के वैभव का स्मरण रहे और उसकी संकल्पना ही शक्ति बनकर भारत राष्ट्र को अखंडता की ओर अग्रसर कर सके।

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

इंकलाब जिंदाबाद : क्रांतिकारियों का प्रेरक ओजस्वी स्वर

प्रमोद दीक्षित मलय

8 अप्रैल, 1929। सेंट्रल असेंबली दिल्ली का मुख्य सभागार। अंग्रेज सरकार पब्लिक सेफ्टी बिल (अंग्रेज सरकार को किसी भी संदिग्ध को बिना मुकदमा चलाए हिरासत में रखने का अधिकार) और ट्रेड डिस्प्यूट बिल (मजदूरों की हड़ताल पर प्रतिबंध विषयक) पास करने हेतु प्रतिबद्ध थी। अपराह्न 12.30 बजे अध्यक्ष पीठ पर विराजमान विट्ठलभाई पटेल ने विधेयक पर फैसला सुनाना शुरू ही किया था कि सभागार की खाली जगह में दर्शक दीर्घा में बैठे युवा क्रांतिकारी भगत सिंह ने कम क्षमता के दो बम फेंके और साथी क्रांतिकारी बटुकेश्वर दत्त ने पर्चे बिखेर दिए जिसमें लिखा था, "बहरों को सुनाने के लिए विस्फोट के बहुत ऊंचे शब्द की आवश्यकता होती है"। पूरा सभागार धुएं के गुबार से भर गया। इसी बीच इंकलाब जिंदाबाद, इंकलाब जिंदाबाद तथा साम्राज्यवाद मुर्दाबाद के गगनभेदी नारों से सभागार गुंजित हो गया। सभागार में उपस्थित मोतीलाल नेहरू, सरदार वल्लभभाई पटेल, मोहम्मद अली जिन्ना, पं. मदन मोहन मालवीय और जॉन ऑलसोब्रुक साइमन (बाद में यही साइमन कमीशन का मुखिया बना) किंकर्तव्यविमूढ़ बैठे धुएं का गुबार देखते रह गए। मित्रो, मैं यहां पर असेंबली बम कांड की चर्चा नहीं करने वाला बल्कि 'इंकलाब जिंदाबाद' नारे पर कुछ तथ्यात्मक संदर्भों के आलोक में इस नारे के भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन पर पड़े प्रभाव की चर्चा करना चाहता हूं जो क्रांतिकारियों का प्रेरक और ओजस्वी स्वर बन गया था। यह पहला बड़ा अवसर और अति महत्वपूर्ण स्थान था जहां 'इंकलाब जिंदाबाद' का नारा क्रांति के प्रतीक स्वर के रूप में बोला गया। स्वतंत्रता आंदोलन के कुछ महत्वपूर्ण नारों पर दृष्टिपात करें तो वंदे मातरम्, दिल्ली चलो, तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा, साइमन को बैक, अंग्रेजों भारत छोड़ो आदि प्रमुख रूप से उल्लेखनीय है किंतु 'वंदे मातरम्' तथा 'इंकलाब जिंदाबाद' नारे ही सर्वप्रमुख और सर्वाधिक प्रयोग किये

जाने वाले नारे रहे हैं। आज भी ये नारे धरना-प्रदर्शनों के दौरान खूब बोले जाते हैं किंतु वर्तमान समय में 'इंकलाब जिंदाबाद' नारे का प्रयोग करने वाले प्रदर्शनकारी ही नहीं बल्कि विद्यार्थी और आमजन भी इस नारे के जन्म, अर्थ एवं महत्व से सर्वथा अपरिचित हैं। इंकलाब जिंदाबाद का अर्थ है क्रांति अमर रहे। जब असेंबली में भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त ने बम फेंक कर वहां से न भागते हुए स्वयं को गिरफ्तार करवाया तब उन्होंने कहा, "क्रांति केवल बम पिस्तौल से नहीं आ सकती। क्रांति का अर्थ अनिवार्य रूप से सशस्त्र आंदोलन नहीं बल्कि प्रगति के लिए परिवर्तन की भावना और आकांक्षा है।" कह सकते हैं कि 'इंकलाब जिंदाबाद' समतावादी समाज रचना का मूलमंत्र था और रहेगा।

'इंकलाब जिंदाबाद' केवल दो शब्दों का समुच्चय मात्र नहीं है बल्कि तेजस्विता एवं ओजस्विता का प्रखर राग है, क्रांतिकारियों एवं देशभक्तों के दिलों में धधक रही जाज्वल्यमान रचनात्मक आग है। अंग्रेजी सत्ता के अमानवीय दमनात्मक व्यवहार के विरुद्ध मानवता का शाश्वत शंखनाद है। इंकलाब जिंदाबाद के उच्चारण मात्र से तन-मन में देश प्रेम का स्वाभाविक संचार होने लगता है। अशफाक उल्ला खां, राजेंद्रनाथ लाहिड़ी ने फांसी के तख्ते पर खड़े होकर मां भारती का अर्चन-स्तवन करते हुए फांसी का फंदा चूमकर 'इंकलाब जिंदाबाद' का जयघोष किया था। यही नारा था जो जेलों में कैद क्रांतिकारियों की शक्ति का स्रोत था। यही नारा था जब अल्फ्रेड पार्क इलाहाबाद में अंग्रेजों से घिरे चंद्रशेखर आजाद ने अंतिम गोली अपनी कनपटी पर मारने से पहले उच्च स्वर से बोला था इंकलाब जिंदाबाद। यही नारा काकोरी ट्रेन एक्शन की आधार भूमि था। वास्तव में यह जयघोष मानवीय पक्ष का समतावादी चित्र उपस्थित करता है जहां गैर बराबरी के लिए कोई स्थान नहीं, जहां लिंग, जाति, पंथ, मजहब, भाषा, क्षेत्र के अलगाववादी विभेद नहीं बल्कि राष्ट्रीय एकात्मता एवं परस्पर प्रेमपरक समरस आत्मीयता का निर्मल निर्झर प्रवहमान है। इसीलिए इंकलाब जिंदाबाद क्रांतिकारियों का पुण्य श्लोक मंत्र बन गया था। अंग्रेजों की रायफलों और संगीनों के सामने हवा में कसी हुई मुट्ठी उछालते हुए इंकलाब जिंदाबाद का उच्च स्वर से उद्घोष बहती हवाओं को भी पल भर के लिए रोक देता था। इन वीरोचित दृश्यों को समय भी अपलक हो अपने नेत्रों में कैद कर लेना चाहता था। इस नारे ने संगीनों की धार कुंद कर दी, गोलियों के बौछार की धारा बदल दी और भारत माता की आजादी के लिए अपना सर्वस्व समर्पण कर सर्वोच्च आत्म बलिदान के लिए जन-जन को प्रेरित उत्साहित किया।

इंकलाब जिंदाबाद नारे की रचना वर्ष 1921 में हसरत मोहानी ने की थी। 'क्रांति अमर रहे' का अर्थ भाव लिए यह नारा स्वतंत्रता आंदोलन की हर सभा एवं धरना प्रदर्शन का हिस्सा बन गया था। उन्नाव के निकट मोहान कस्बे में 1 जनवरी, 1875 को जन्मे सैयद फजल उल हसन ने एंग्लो ओरिएंटल कॉलेज अलीगढ़ से शिक्षा पूरी कर 1904 में जब कांग्रेस दल से नाता जोड़ा तो उन्हें लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक के अग्निसदृश ऊर्जस्वित शब्दों में आजादी की राह दिखाई दी। वह कांग्रेस में लाल बाल पाल के ओजस्वी विचारधारा के संवाहक बने। वर्ष 1903 में अलीगढ़ से उर्दू भाषा में 'उर्दू ए मुअल्ला' नामक पत्रिका निकाली जिसमें अंग्रेजों के विरुद्ध लिखे गए उनके आग उगलते लेख एवं अन्य सामग्री से अंग्रेजी सत्ता तिलमिला गई और उन्होंने हसरत मोहानी को जेल में डाल पत्रिका बंद करवा दी। हजरत मोहानी कांग्रेस के विभिन्न अधिवेशनों शामिल होते रहे। वह लोकमान्य तिलक के साथ ही बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर के भी निकट सहयोगी थे। जब संविधान सभा का गठन किया गया तो 1946 में उत्तर प्रदेश से आप निर्वाचित हो भारतीय संविधान के लेखन में सहयोगी सिद्ध हुए। 'इंकलाब जिंदाबाद' नारे के इस प्रणेता के 13 मई, 1951 को असामयिक निधन से देश की अपूर्णनीय क्षति हुई। स्वतंत्रता आंदोलन में आपके योगदान को रेखांकित करते हुए भारत सरकार ने 2014 में 5 रुपए का एक डाक टिकट जारी कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। आज हसरत मोहानी दैहिक रूप से भले ही हमारे बीच उपस्थित नहीं है किंतु अपने प्रचुर साहित्य के लेखन के साथ ही मात्र 'इंकलाब जिंदाबाद' नारे के द्वारा आप हर उस भारतीय की धड़कनों में जीवित हैं जिसे भारत से प्यार है, जिसके लिए मानवीय आदर्श सर्वोपरि हैं, जो आमजन की पीर का गायक है।

(लेखक शिक्षक एवं शैक्षिक संवाद मंच के संस्थापक हैं।)

समस्त प्रदेश वासियो को
स्वतंत्रता दिवस
एंव
रक्षाबंधन
श्री कृष्ण
जन्माष्टमी
की
हार्दिक शुभकामनाए
मनोज ठाकवानी
वार्ड 95 पार्षद प्रत्याशी

भागीरथ चौधरी
केन्द्रीय मंत्री व सांसद, अजमेर
सुरेश सिंह रावत
कैबिनेट मंत्री
भंवर सिंह पलाड़ा
समाजसेवी
स्वतंत्रता दिवस
के पावन पर्व की आप सभी को
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
नटवर सिंह शैखावत
पूर्व सरपंच - बबायचा एवं
कोषाअध्यक्ष- बाबा रामदेव सेवा समिति, कुडियास
ग्राम पंचायत बबायचा
पचायत समिति अजमेर ग्रामीण

स्वतंत्रता दिवस
के शुभ अवसर पर समस्त
प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं
जावेद सेठी
अध्यक्ष, जलमहल ब्लॉक कांग्रेस कमेटी, जयपुर

रफीक शाह
सरपंच
ग्राम पंचायत जिलावडा
पंचायत समिति श्रीनगर, अजमेर (राजस्थान)
बरकत बैग
उप सरपंच
समस्त प्रदेशवासियों को
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

स्वतंत्रता दिवस
के महापर्व पर राष्ट्रसेवा में
अपना सर्वस्व अर्पण करने वाले सभी
अमर बलिदानियों को कोटि- कोटि नमन
एवं
समस्त देशवासियों को
स्वतंत्रता दिवस
की
हार्दिक शुभकामनाए
15 अगस्त
9811310307
कॉसोटी खेड़ा, बाड़ी
जगदीश रावत (समाजसेवी)

HAPPY
INDEPENDENCE DAY!
वार्ड
89
15th AUGUST
रफीक खान
आदर्श नागर विधानसभा युवा कांग्रेस
अकबर पठान
पार्षद जी

जय भीम
श्री गणेशाय नमः
जय भारत
आप समी को
78 वें
स्वतंत्रतादिवस
रक्षाबंधन
श्रीकृष्ण
जन्माष्टमी
BJP
की हार्दिक शुभकामनायें
प्रो. (डॉ.) जग्गोसिंह प्रदेश सह संयोजक
शिक्षक प्रकोष्ठ भाजपा
9414714332
राज प्रिन्टर्स वैर 6377162956

स्वतंत्रता दिवस
के पावन पर्व की आप सभी को
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
भागीरथ चौधरी
केन्द्रीय मंत्री व सांसद, अजमेर
रामस्वरूप लांबा
विधायक, नसीराबाद
लाडा देवी चौधरी
सरपंच
सुखपाल चौधरी
पूर्व सरपंच
रामप्रसाद चौधरी
समाज सेवी
ग्राम पंचायत तिहारी, पंचायत समिति श्रीनगर, अजमेर (राजस्थान)

स्वतंत्रता दिवस के पावन पर्व की
सभी नागरिकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
सुमन महेश्वरी
सरपंच
ग्राम पंचायत कानपुरा
पंचायत समिति श्रीनगर, अजमेर (राज.)
भगवान महेश्वरी
पूर्व सरपंच

न्यूज अपडेट

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

जयपुर में अतिवृष्टि को दृष्टिगत रखते हुए जेडीसी ने ली अधिकारियों की बैठक

- अपने अधीनस्थ क्षेत्रों का गहन निरीक्षण के संबंध में दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

चमकता राजस्थान। जयपुर! (खलील कुरैशी) 14 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं माननीय नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा के निर्देशों की पालना में जयपुर विकास आयुक्त मंजू राजपाल ने जयपुर में अतिवृष्टि और जलभराव/अन्य कारणों से उत्पन्न समस्याओं को दृष्टिगत रखते हुए बुधवार को अधिकारियों की बैठक ली। जेडीसी ने अतिवृष्टि की परिस्थितियों से निपटने के लिए अधिकारियों को अपने अधीनस्थ क्षेत्र का गहन निरीक्षण करने के निर्देश दिये गए हैं। उन्होंने कहा कि समस्त अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र से भली-भांति परिचित है, इसलिए जहॉ भी आंशका है कि वर्षा जनित समस्याऐं उत्पन्न हो सकती है, वहॉ पहले से समस्या से निपटने हेतु पुख्ता इंतजाम/व्यवस्था रखे। उन्होंने सडकों पर वर्षा से बने गड्ढे, टूटी सीवर लाईन, टूटे ड्रेनज इत्यादि समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिये। इसके साथ ही जलभराव की स्थिति को रोकने के लिए जल निकासी संबंधी जरूरी व्यवस्थाएं एवं इंतजाम दुरुस्त रखने के लिए निर्देश दिये गये। इसके साथ ही उन्होंने आमजन से प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता से निस्तारण करने के निर्देश दिये।

निफ्ट जोधपुर में तिरंगा यात्रा निकाली और 100 पौधे लगाए

- एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित

चमकता राजस्थान। जयपुर/जोधपुर (खलील कुरैशी) राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान में हर घर तिरंगा अभियान के तहत तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस मौके पर संस्थान के निदेशक प्रो. जीएचएस प्रसाद ने बताया कि छात्र–छात्राओं को स्वतंत्रता एवं तिरंगे के महत्व के बारे में जानकारी दी गई और सभी को अपने घर पर तिरंगा फहराने के लिए जागरूक किया। इसके बाद यूनियन बैंक आफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत स्टूडेन्ट्स, फैकल्टी और अधिकारियों ने 100 पौधे लगाये। इस मौके पर यूनियन बैंक आफ इंडिया के रीजनल मैनेजर धीरज शर्मा ने युवाओं से अपनी माँ के प्रति प्रेम,आदर और सम्मान के प्रतीक के रूप में एक पेड़ लगाने और धरती माता की रक्षा करने का संकल्प लेने का आ''ान किया। कार्यक्रम में यूनियन बैंक आफ इंडिया के करवर शाखा के मैनेजर महेश चंद्र कछवाहा सहित सभी फैकल्टी मेंबर्स, कर्मचारी, स्टूडेन्ट्स मौजूद रहें।

स्वर्णकार सेवा दल ने किया किया 700 से अधिक प्रतिभावान विद्यार्थियों का अभिनंदन

- सम्मान से बढ़ता है हौसला और आत्मविश्वासः- डी. के. सोनी

चमकता राजस्थान। जयपुर (खलील कुरैशी)। स्वर्णकार सेवा दल की ओर से रविवार को झोटवाड़ा स्थित सियाराम गार्डन में अखिल भारतीय प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर देश भर से आए विभिन्न परीक्षाओं में उत्कृष्ट अंक अर्जित करने वाले करीब 700 छात्र-छात्राओं को मेडल, स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र, चांदी कवर युक्त पेन, स्कूल बैग एवं पाठ्य सामग्री भेंट कर पुरस्कृत किया गया। यह समस्त आयोजन स्वर्णकार समाज के भामाशाहों के सहयोग से किया गयास्वर्णकार सेवा दल के राजस्थान प्रदेश मंत्री सीतल बैवाल ने बताया कि समारोह में समाज को एक मंच पर एकजुट करने के लिए स्वर्णकार सेवा दल समय समय पर ऐसे आयोजन करता रहता है। समारोह में करीब 3000 समाज के लोगों की महागोठ का भी आयोजन किया गया एवं अनेक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गई। इस मौके पर मुख्य रूप से भामाशाह के रूप में रूपचंद जालू, राधेश्याम रूंडवाल, मांगीलाल बूटण, हनुमान प्रसाद कड़ेल, नितेश जालू, डी.के. सोनी, भागीरथ जमवाल, नारायण मौसूण, रमेश रोडा,राजाबाबू कुकरा अनिल थूंनगर विजय नारनोली मास्टर हरिमोहन जी प्रकाश जालू रमेश कुकरा श्री मती चांद जोड़ा आशा थूंनगर मौजूद रहे।

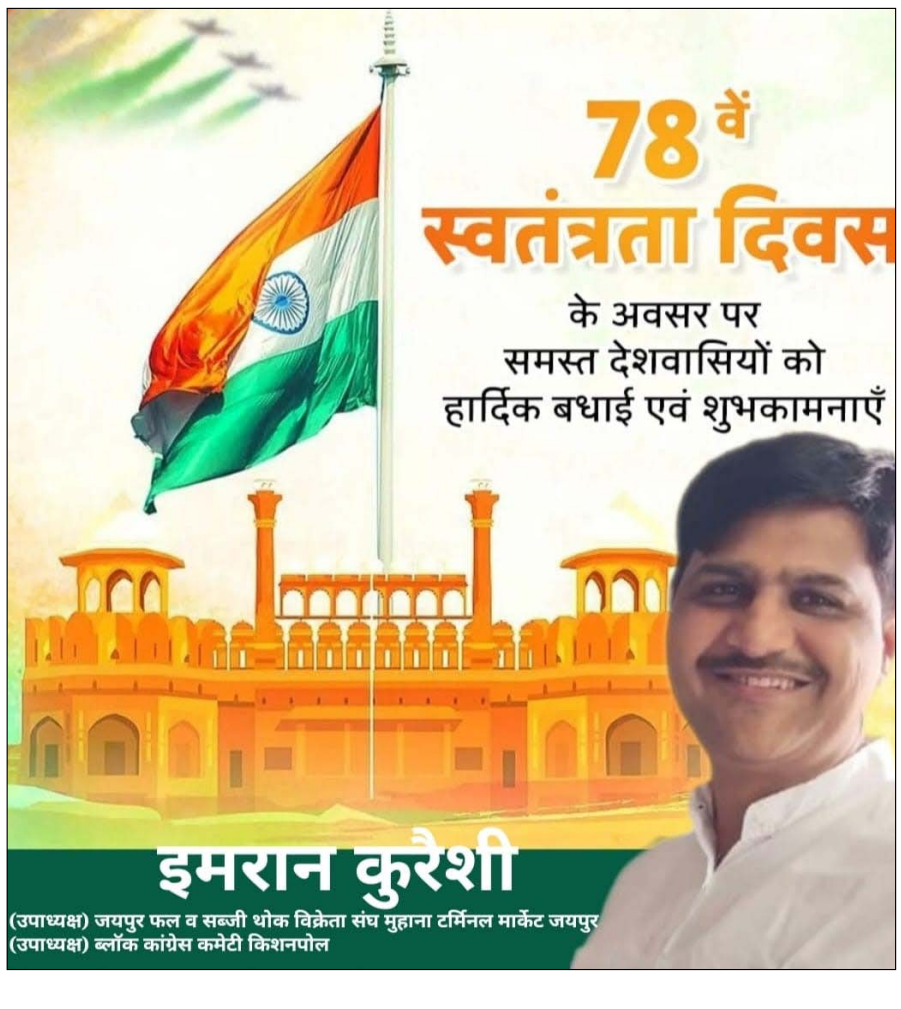

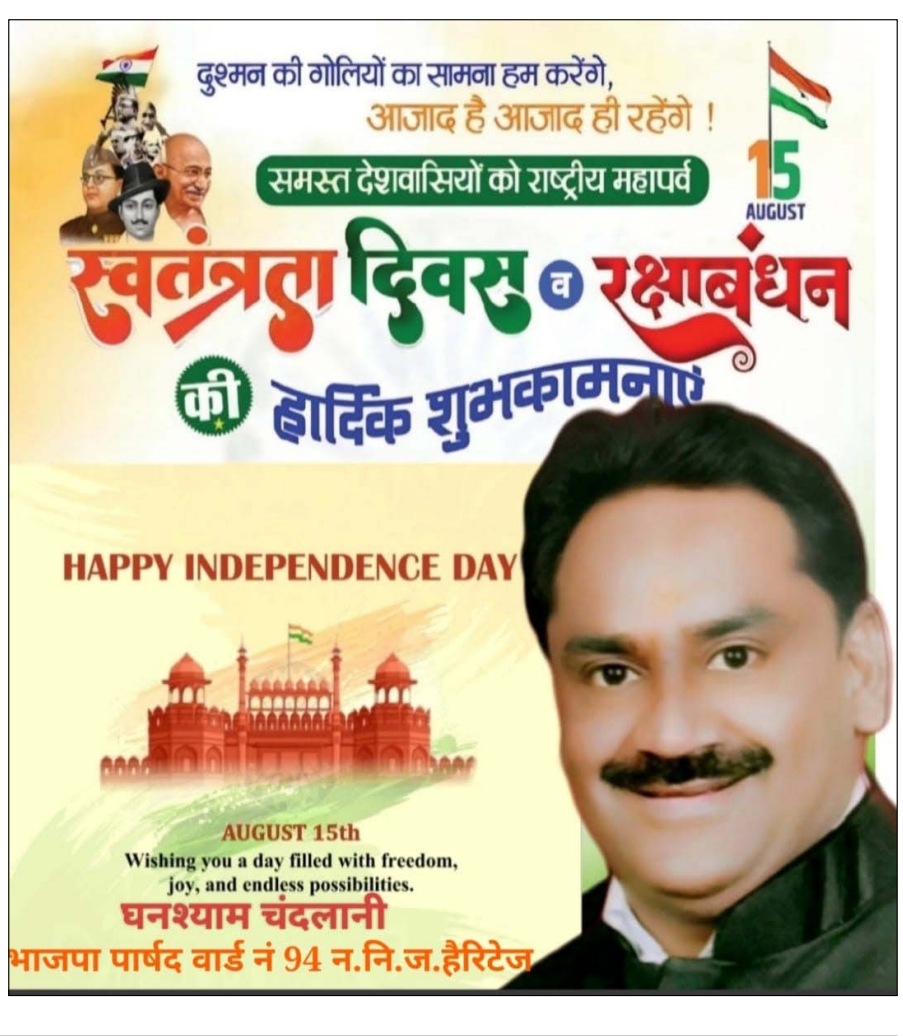

जोधपुर में टूरिज्म व नाइट टूरिज्म की अपार संभावनाये हैं: उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी

बारिश में उपमुख्यमंत्री ने किया ऐतिहासिक घंटाघर का निरीक्षण

चमकता राजस्थान

जयपुर, 14 अगस्त। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि जोधपुर में टूरिज्म व नाइट टूरिज्म की बहुत अच्छी संभावनाएं है। जिन्हे तराश कर पर्यटन विभाग द्वारा और अधिक निखारे जाने का कार्य किया जा रहा है।

उपमुख्यमंत्री बुधवार को जोधपुर में ऐतिहासिक घंटाघर के निरीक्षण के दौरान बोल रही थीं। उन्होंने कहा कि जोधपुर पर्यटन की दृष्टि से देश विदेश में अलग स्थान रखता है। इस ओर सकारात्मक प्रयास कर पर्यटन को अधिक बढ़ावा देने के हरसंभव प्रयास किये जाएंगे। इसी के तहत घंटाघर में हैरिटेज प्रोजेक्ट एम्पिरियंस योजना के तहत निरीक्षण कर अधिकारियो को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान निदेशक, पर्यटन विभाग श्रीमती रश्मि शर्मा व संयुक्त निदेशक पर्यटन विभाग भानु प्रताप सहित अन्य संबंधित

अधिकारी उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री ने भगत की कोठी रोड पर पौधारोपण कर अधिकाधिक पौधारोपण करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में 'हरियालो राजस्थान' कार्यक्रम के तहत अधिकाधिक पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के पुनीत कार्य में हम सभी को अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। वहीं उन्होंने पौधारोपण कर उसकी देखभाल करने वाले व्यक्तियों को 'एक पेड़ मां के नाम' सर्टिफिकेट प्रदान कर बधाई दी। इस अवसर पर शहर विधायक अतुल भंसाली भी साथ थे।

● उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने विभाजन की विभीषिका चित्र प्रदर्शनी का अवलोकन किया-

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी जी ने आज बुधवार को उत्तर पश्चिम रेलवे व केंद्रीय संचार ब्यूरो सूचना प्रसारण मंत्रालय के सहयोग से आयोजित विभाजन की विभीषिका चित्र प्रदर्शनी का समापन समारोह में अवलोकन किया।

प्रदर्शनी का अवलोकन कर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि विभाजन में लोगों को मातृभूमि को छोड़ना पड़ा, वह समय भूलने वाला नहीं है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि नई पीढ़ी को इतिहास को जानना होगा। विभिन्न स्थानों पर लगी इस प्रदर्शनी को अधिक से अधिक लोग देखें और इतिहास को समझें और जाने। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी जी ने कहा सभी हर घर तिरंगा के अंतर्गत अपने घर पर तिरंगा लगाएं।

इस अवसर पर केंद्रीय संचार ब्यूरो प्रादेशिक कार्यालय जयपुर के पंजीकृत दल बंसीलाल खिलाड़ी एंड पार्टी डेगाना नागौर ने हम एक हैं हम एक रहेंगे देशभक्ति गीत की प्रस्तुति दी।

भारत स्काउट एंड गाइड के छात्र-छात्राओं ने विभाजन की विभीषिका पर चित्र के माध्यम से बताई गयी जानकारी को युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत बताया।

इस अवसर पर जोधपुर शहर विधायक अतुल भंसाली, महापौर जोधपुर दक्षिण सुश्री वनिता सेठ व अन्य जनप्रतिनिधियों सहित जोधपुर मंडल रेल प्रबंधक पंकज कुमार सिंह, सीनियर डीसीएम विकास खेड़ा वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी डॉ अरविंद कुमार, समाजसेवी देवेंद्र सालेचा,वरिष्ठ जनसंपर्क निरीक्षक पुरुषोत्तम परवाल पत्र सूचना कार्यालय के आशीष वर्मा, केंद्रीय संचार ब्यूरो के के आर सोनी व रेलवे के अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

न्यूज अपडेट

पुलिस ने नाबालिग के साथ छेडछाड करने के आरोपी को किया गिरफ्तार

चमकता राजस्थान। वैर (राजवीर सिंह)। गहनौली मोड़ थाना पुलिस ने नाबालिग के साथ छेडछाड करने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी उदयचन्द उ०नि० ने बताया कि 31 जुलाई 2024 को एक नाबालिग लडकी ने खोहरी गांव निवासी रवि कुमार के विरूद्ध उसका रास्ते में जाते समय पीछा करने व उसके भाई के साथ मारपीट करने का एक मामला थाना गहनौली मोड में पंजीबद्ध कराया था।

उक्त मामले में कार्रवाई करते हुए नामजद आरोपी रवि कुमार पुत्र निहालसिंह उम्र 24 साल जाति जाटव निवासी खोहरी थाना वैर को गिरफ्तार किया गया है।

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में डोटासरा करेंगे झंडा रोहन

चमकता राजस्थान। जयपुर, 14 अगस्त। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा स्वतंत्रता दिवस पर गुरूवार, 15 अगस्त, को प्रातः 7:00 बजे प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, इन्दिरा गांधी भवन, स्टेशन रोड, जयपुर पर राष्ट्रद्वीय ध्वज फरहरायेंगे।

राजस्थान प्रदेश महासचिव व प्रवक्ता स्वर्णिम चतुर्वेदी ने बताया कि इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, पार्टी के विधायक, प्रदेश कांग्रेस के पदाधिकारी, जयपुर शहर एवं देहात जिला कांग्रेस के पदाधिकारी, अग्रिम संगठनों के पदाधिकारी तथा विभागों व प्रकोष्ठों के वर्तमान/निवर्तमान पदाधिकारी सहित अनेक कांग्रेसजन उपस्थित रहेंगे।

किरोड़ी में पांच दिवसीय श्री रुद्र महायज्ञ संपन्न

- **पांच दिवसीय रुद्र महायज्ञ में एक लाख 51 हजार आहुतियां दी**
- **यज्ञ के समापन पर पत्रकारों का भी हुआ सम्मान**

चमकता राजस्थान / उदयपुरवाटी। (सुमेर सिंह राव)। कस्बे के निकटवर्ती धार्मिक तीर्थ स्थल किरोड़ी धाम में चल रहे पंच कुंडिय श्री रुद्र महायज्ञ पांचवे दिन संपन्न हुआ। यज्ञ में प्रतिदिन यज्ञाचार्य विक्रम शास्त्री श्रीमाधोपुर के सानिध्य में दशविध स्नान, हेमाद्रि संकल्प तर्पण - पार्वण, पार्थिव शिवाराचन - अभिषेक, तंत्रोक्त त्रिपिंडी विधान और कालसर्प शांति दोष निवारण हेतु यज्ञार्चन किया गया। यज्ञ में प्रतिदिन आविहीत देवताओं के साथ भगवान शिवशक्ति के मंत्रों की आहुतियां दी गई। रुद्र महायज्ञ में महंत गणेश दास बैरागी ऋषिकेश देवाचार्य के सानिध्य में एक लाख ईकावन हजार आहुतियां अर्पण की गई है। यज्ञ में उपाचार्य पंडित दीपक पराशर मऊ, विद्वान रिछपाल पारीक खाटू, भरत कुमार श्रीमाधोपुर, त्रिलोक चंद, विमलेश कुमार रहे। यज्ञ में प्रधान यजमान हरीश स्वामी किरोड़ी, सत्यनारायण पतलिया, प्रदेश संयोजक ब्रमहण महासभा, बिरूराम, अर्जुन लाल श्रीमाधोपुर, डॉ राजेंद्र कुमावत चिराना रहे। इस दौरान केदार मल, रमेश कुमार सीकर, ताराचंद गुर्जर, विकाश गुर्जर, भास्कर शर्मा, कपिल निम्बर्क, अक्षय बैरागी, बनवारी लाल जांगिड़, कमलेश वर्मा आदि ने सहयोग किया।

राजकीय आयुर्वेदिक औषधालय लवेरा में वृद्धावस्था स्वास्थ्य जांच और परामर्श शिविर आयोजित ,

चमकता राजस्थान। सत्यनारायण पारीक। नसीराबाद -श्रीनगर पंचायत समिति के समीपवर्ती गांव लेवरा के राजकीय आयुर्वेदिक औषधालय में वृद्धजन के लिए राष्ट्रीय आयुष मिशन के तहत वृद्धावस्था स्वास्थ्य जांच और परामर्श शिविर आयोजित किया गया। शिविर प्रभारी डॉक्टर विनोदकुमार ने 50 से अधिक उम्र के 45 महिलाओं पुरुषों के स्वास्थ्य की जांच की।साथ ही मौसमी बीमारियो से बचाने के लिए काढ़े का वितरण किया गया।साथ ही औषधालय में लगे हुए आयुर्वेदिक पादपो के महत्व के बारे में समझाया, कैंप में योग प्रशिक्षक लक्ष्मीनारायण जोशी और ललिता वैष्णव ने योग के महत्व के बारे में बताया, उक्त कैंप का आयोजन डॉक्टर हनुमान मीना के निर्देशन में हुवा,कैंप में एएनएम अनिता, आशा सहयोगिनी मोहनी गुर्जर,सरोज चौधरी, मथीया गुर्जर आदि ने सहयोग दिया,शिविर में रक्तचाप,मधुमेह ,ब्लड, ऑक्सीजन लेवल और वजन की जांच की गई।

दुकान का ताला तोड़ नगदी सहित परचून का सामान चोरी

चमकता राजस्थान/नदबई,(राजवीर सिंह)। लखनपुर थाना क्षेत्र में लुलहारा बस स्टेण्ड के समीप परचून दुकान का ताल तोड़ अज्ञात चोर नगदी सहित परचून का सामान चोरी कर ले गए। पीडित की सूचना पर लखनपुर थाना पुलिस ने मौके पर जांच पडताल कर अज्ञात चोर का सुराग लगाने का प्रयास किया। लेकिन, सफलता नही मिल सकी। बाद में बिनऊआ निवासी पीडित दुकानदार कलैक्टर राम उर्फ कल्ला पुत्र कुमरपाल प्रजापत ने पुलिस में मामला दर्ज कराया।

पुलिस के अनुसार पीडित दुकानदार अपनी दुकान बंद कर घर गया। इसी दौरान अज्ञात चोर दुकान का ताला तोड़ 2700 सौ रूपए की नगदी, काजू-किशमिश सहित लाखों रुपए का परचून सामान चोरी कर ले गया। पीडित का आरोप है कि, दुकान पर पहले भी चोरी की घटना हुई। लेकिन, अज्ञात चोरों का सुराग नही लग सका। जिसके चलते ही अज्ञात चोर एक बार फिर चोरी की घटना को अंजाम देकर फरार हो गए। मामला दर्ज होने पर पुलिस ने मौके पर जांच पडताल की। लेकिन, पुलिस को अज्ञात चोरों का सुराग नही लग सका।

निजि विधालय कानाखेडी की ब्लू केसर पब्लिक स्कुल के विधार्थियों ने निकाली भव्य तिरंगा रेली

चमकता राजस्थान

रघुनंदन पारीक श्रीनगर। नसीराबाद - कानाखेडी ब्लू केसर पब्लिक स्कूल की और से 14 अगस्त को श्रीनगर में स्कूली विद्यार्थियों ने तिरंगा रैली निकाल कर देश भक्ति का संदेश दिया गया। तिरंगा रैली को श्रीनगर सरपंच दिलीप राठी ,श्रीनगर पूर्व सरपंच रामकरण यादव ,पूर्व सरपंच सुनीता यादव ,कानाखेड़ी सरपंच पति जयसिंह रावत , भाजपा के मंडल महामंत्री राजू सिंह रावत, भाजपा जिला समन्वयक एवं ब्लू केसर एजुकेशन सोसाइटी के संचालक नरेंद्र सिंह रावत ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। तिरंगा रैली खेड़ा चौराहा पुराने ग्राम पंचायत भवन से शुरू होकर बस स्टैंड, अजमेरी गेट ,सदर बाजार होते हुए चारभुजा मंदिर पहुंची ।यहां से रैली चौहटा ,तेजा चौक, सती माता मंदिर,होते हुए विनायक कंपलेक्स पहुंची ।यहां रैली का समापन हुआ। तिरंगा रैली में विद्यार्थी तिरंगा झंडा हाथ में लेकर देशभक्ति के नारे लगाते हुए चल रहे थे ।कुछ विद्यार्थियों ने हाथ में देशभक्ति के नारे लिखे तख्तियां ले रखी थी ।रैली में फौजी की ड्रेस में कुछ विद्यार्थी

अलग ही छटा बिखेर रहे थे। तिरंगा की शर्ट पहने छात्राएं भी रैली में शामिल थी। तिरंगा रैली में वाहन पर देशभक्ति से ओतप्रोत गीत चल रहे थे। देश भक्ति गीतों पर तिरंगा लहरा कर रैली में भाग ले रहे विद्यार्थियों में अलग ही जोश दिखाई दिया ।समापन के मौके पर तिरंगा रैली में उपस्थित स्कूली विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए श्रीनगर सरपंच दिलीप राठी ने कहा कि तिरंगा रैली से कस्बे में देशभक्ति का ज्वार उमड पड़ा है। तिरंगा रैली के माध्यम से देश की आजादी के लिए हुए शहीदों को याद किया गया । ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों में देशभक्ति की भावना जन्म लेती है । पूर्व सरपंच रामकरण यादव ने ब्लू केसर स्कूल की विद्यार्थियों की ओर से इस आयोजन के लिए बधाई दी। यादव ने कहा कि एक साथ करीब 200 विद्यार्थियों की ओर से हाथ में तिरंगा लेकर रैली निकालने से कस्बे का माहौल देशभक्ति के रंग में रंग गया। काना खेड़ी के सरपंच पति जय सिंह रावत ने कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों में भी उत्साह का संचार होता है। पूर्व सरपंच सुनीता यादव ने कहा कि तिरंगा रैली के आयोजन सभी स्कूलों को आपस में मिलकर करने चाहिए। काना खेड़ी ब्लू केसर स्कूल के संचालक नरेंद्र सिंह रावत ,सह संचालक कान सिंह रावत ,प्रधानाध्यापक अजीत पुरोहित, विद्यालय के अध्यापक नरेंद्र सिंह रावत प्रमोद कुमावत अध्यापिका रक्षा यादव, नेहा जांगिड़, रेनू बोहरा ,रेनू जोशी, नीलम रावत, रिंकू कुमावत ,पूजा कुमावत ,देवी सिंह रावत ,रणजीत सिंह रावत, विमल सिंह रावत, उपस्थित रहे।

एरिस इंन्फ्रा सॉल्यूशंस लिमिटेड ने सेबी के पास दायर किया डीआरएचपी

चमकता राजस्थान/जयपुर। एरिस इंन्फ्रा सॉल्यूशंस लिमिटेड (''A-SL''or''Company'') ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (''sebi'') के साथ अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (''DRHP'') दाखिल किया है।

कंपनी एक बिजनेस-टू-बिजनेस (''B2B'') प्रौद्योगिकी-सक्षम कंपनी है जो निर्माण सामग्री के लिए संपूर्ण खरीद प्रक्रिया को सरल और डिजिटल बनाने पर ध्यान केंद्रित करती है, जिससे एक कुशल एंड-टू-एंड खरीद अनुभव प्रदान किया जा सके।

कंपनी 2 अंकित मूल्य वाले इक्विटी शेयर कैपिटल के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के माध्यम से 6,000 मिलियन [600 करोड़] तक की कुल धनराशि जुटाने की योजना बना रही है। (''Total Issue Size'') । कुल निर्गम आकार में 6,000 मिलियन [600 करोड़] तक के इक्विटी शेयरों का ताजा निर्गम (''Fresh Issue'') शामिल है।

कंपनी शुद्ध आय का उपयोग निम्नलिखित के लिए करने का प्रस्ताव करती है झ (i) कंपनी द्वारा लिए गए कुछ बकाया उधारों का पूर्ण या आंशिक रूप से पुनर्भुगतान / पूर्व भुगतान, जिसकी अनुमानित राशि 2,046 मिलियन [204.60 करोड़] है, (ii) कंपनी की कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं का वित्तपोषण, जिसकी अनुमानित राशि 1,770 मिलियन [177 करोड़] है; (iii) अपनी सहायक कंपनी, बिल्डमेक्स-इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड (''Buildmex'') में अपनी कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं के वित्तपोषण के लिए निवेश, जिसकी अनुमानित राशि 480 मिलियन [48 करोड़] है; (iv) अपनी सहायक कंपनी, एरिसयूनिटर्न री सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड (formerly ArisUnitern Private Limited) के मौजूदा शेयरधारकों से आंशिक शेयरधारिता की खरीद, जिसकी अनुमानित राशि 204 मिलियन [20.40 करोड़] है (''Objects of the Issue'')

जेएम फाइनेंशियल लिमिटेड, आईआईएफएल सिक्योरिटीज लिमिटेड और नुवामा वेल्थ मैनेजमेंट लिमिटेड (जिसे पहले एडलवाइस सिक्योरिटीज लिमिटेड के नाम से जाना जाता था) इस इशचू के बुक रनिंग लीड मैनेजर (''BRLs'') हैं।

कृपया डीआरएचपी डाउनलोड करने के लिए नीचे दिए गए लिंक पर जाएं:

गैर संचारी रोगों के लिए जागरुकता ही बचाव हैं : डा. गब्बर सिंह

चमकता राजस्थान/धौलपुर (रामदास तरुण)। आज दिनांकः-14/08/2024 को ब्लॉक बसेड़ी में ममता हेल्थ इंस्टीट्यूट फॉर मदर एंड चाइल्ड संस्था द्वारा आरोग्य जन जागरूकता अभियान के तहत एलईडी वैन शो कार्यक्रम की शुरुआत की गई। जिसमें लोगों की बी पी व शुगर , मोटापा तथा मानसिक बीमारियों आदि के बारे में लोगों को वैन के माध्यम से जागरूक किया जाएगा।इस मौके पर डॉ. गब्बर सिंह ने बताया कि यह ऐसी बीमारियां होती हैं जो लंबे समय तक रहती हैं। जैसे= उच्च रक्तचाप, शुगर , मोटापा आदि। इन बीमारियों की समय पर जांच और इलाज किया जाता जाए तो यह हमारे स्वास्थ्य के लिए ज्यादा हानिकारक नहीं होती।यह बीमारियां हमारे आसपास के कारणों से, शारीरिक , मानसिक और आनुवाशिक कारकों का ही परिणाम होती है। इनकी समय रहते जांच करवाते रहनी चाहिए। इन रोगों से बचने के लिए खानपान का ध्यान रखना, तंबाकू का सेवन नहीं करना, शराब का सेवन नहीं करना जैसी आदतों को अपनाना हीसबसे बढ़ा इलाज है। इस तरह से इन सभी बीमारियों से बचा जा सकता है। इस तरह के जागरूक कार्यक्रम के माध्यम से लोगों गैर संचारी रोगों के प्रति जागरुकता बढ़ेगी और वह अपना बचाव कर पाएंगे।इस अवसर पर बीपीएम देवांद जी, ब्लॉक सेक्टर सुपर वाइजर सरिता जी वा अन्य स्टॉफ मौजूद रहें। ममता एच आई एम सी के सुपर वाइजर देवांश मथुरिया ने बताया कि आजा कैंपेन के एलईडी वैन शो कार्यक्रम धौलपुर ज़िले के बसेड़ी तथा बाड़ी ब्लॉक के 30 गांव मे किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को गैर संचारी रोगों के प्रति जागरूक करना है ताकि लोगों में इनकी जानकारी बढ़ सकें ।इस मौके पर की ममता एच आई एम सी की तरफ से ब्लॉक सुपर वाइजर राजेश तथा देवांश मथुरिया उपस्थित रहे।

बांग्लादेश में हिंदुओं के पक्ष में सन्त समाज

- **पीएम नरेंद्र मोदी के नाम दिया ज्ञापन**

चमकता राजस्थान। भरतपुर/ मथुरा(राजवीर सिंह)। धर्म रक्षा संघ के राष्ट्रीय मार्गदर्शक महंत मोहिनी बिहारी शरण के नेतृत्व में संतों ने मथुरा जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार एवं हिंसा को तुरंत रोकने के संदर्भ में देश के प्रधानमंत्री के नाम एक ज्ञापन पत्र सौंपा गया। धर्म रक्षा संघ के राष्ट्रीय मार्गदर्शक महंत मोहिनीबिहारी शरण ने कहा कि बांग्लादेश में भयानक तरीके से हिंदुओं के ऊपर अत्याचार हो रहा है, हिंदू मां-बहन और छोटी-छोटी बच्चियों के साथ बर्बरता किया जा रहा है इन सबको रुकजाने के लिए एवं बांग्लादेश में शांति व्यवस्था बहाल करने के लिए भारत सरकार को ठोस कदम उठाना पड़ेगा।भागवत प्रवक्ता स्वामी बलरामाचार्य ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं के मंदिरों पवित्र देव मूर्तियों को अराजक तत्वों द्वारा तोड़ा जा रहा है हिंदुओं की धन संपत्ति लूटने के साथ उनके व्यापारिक प्रतिष्ठानों को आग के हवाले किया जा रहा है यह अत्यंत दुखद है। माँ ध्यानमूर्ति सेवा संस्थान के सचिव डॉ. हरिओम शर्मा ने कहा कि हिंदू सनातन समाज को एकजुट होना पड़ेगा यदि हिंदू समाज एकजुट नहीं हुआ तो बांग्लादेश जैसी स्थिति हमारे देश में भी बन सकती है, उन्होंने कहा कि भारत सरकार वैश्विक दबाव बांग्लादेश सरकार पर बनवाए जिससे वहां हिंदू समाज सुरक्षित हो सके। इस अवसर पर धर्म रक्षा संघ के राष्ट्रीय महामंत्री श्रीदास प्रजापति, स्वामी अचल दास, स्वामी देवानंद, विष्णु शास्त्री आदि मौजूद रहे।

तिरंगा मैराथन कर घर-घर तिरंगा लहराने का दिलाया संकल्प

- **उधर, ब्लॉकस्तरीय मुख्य समारोह में 34 अलग-अलग प्रतिभाओं का होगा सम्मान**

चमकता राजस्थान। नदबई,(राजवीर सिंह) । आजादी के अमृत महोत्सव पर बुधवार को नदबई में तिरंगा मैराथन दौड़ का आयोजन हुआ। जिसका शुभारम्भ कुम्हेर बाईपास चौराहे पर एसडीएम गंगाधर मीणा ने हरी झण्डी दिखाकर किया। बाद में एसडीएम ने आजादी के अमृत महोत्सव पर घर-घर तिरंगा लगाने का संकल्प दिलाया। इस दौरान तहसीलदार कैलाश गौतम, ईओ दीपा यादव भी मौजूद रही।

एसडीएम गंगाधर मीणा ने महात्मा गांधी राजकीय सीनियर विद्यालय में ब्लॉकस्तरीय समारोह दौरान डॉ दीपेन्द्र रावत, एलएचवी सुनीता शर्मा, एएनएम नीरा कुमारी, सूचना सहायक जीतेन्द्र पंजाबी, कनिष्ठ सहायक गौरव मुद्गल, पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ महेशचंद प्रजापत, वरिष्ठ कम्पाउण्डर गंभीर सिंह, प्रधानाचार्य नीलम कुमारी, व्याख्याता मेनका मीणा, वरिष्ठ अध्यापक कमलचंद सिंहवाल, शारीरिक शिक्षक मधु जैमिनी, हनुमान सिंह गुर्जर, भूपसिंह, फूलवती मीना, तकनीशियन प्रथम गजेन्द्र सिंह, तकनीशियन द्वितीय आशाराम, कनिष्ठ सहायक शुभम सिंह, फायरमैन बलवंत सिंह, आंगनवाडी कार्यकर्ता सुनीता देवी व संगीता सोनी, पटवारी करन सिंह, भू अभिलेख निरीक्षक उमेशचंद, सहायक प्रशासनिक अधिकारी मोहनराज तिवारी, कृषि पर्यवेक्षक छोटे सिंह, वरिष्ठ कृषि पर्यवेक्षक रामबाबू, सहायक विकास अधिकारी रामाधार शर्मा, कनिष्ठ सहायक प्रिया सौनी, हैड कांस्टेवल खैमचंद व बवलू सहित नीजर कुमार, प्रिया कुमारी, शैलेन्द्र बंजारा, लखी चौधरी व दिव्या कुमारी को पुरुस्कृत होने के बारे में बताया।

गुणवत्ता पूर्वक, समयबद्ध रुप से स्टेट हाईवे का काम पूरा करें : उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी

सार्वजनिक निर्माण विभाग के प्रमुख शासन सचिव प्रवीण गुप्ता ने समय पर कब्जा सुपुर्दगी के दिये निर्देश

चमकता राजस्थान

जयपुर, 14 अगस्त। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बुधवार को जोधपुर से मेड़ता में मीरा महोत्सव में भाग लेने जाते समय दांतीवाड़ा-पीपाड़-मेड़ता सिटी (एसएच-21) का आकस्मिक निरीक्षण किया। उनके साथ सार्वजनिक निर्माण विभाग के प्रमुख शासन सचिव प्रवीण गुप्ता भी मौजूद थे। उपमुख्यमंत्री ने मौके पर मौजूद इंजीनियर और अधिकारियों को हाईवे का काम गुणवत्तापूर्वक तरीके से करने, गांव तथा आबादी क्षेत्र के आसपास ड्रेनेज सिस्टम का ध्यान रखने और समयबद्ध तरी×के से पूरा करने के निर्देश दिये।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे नियमित रूप से मौके पर जाकर निरीक्षण करें तथा काम की गति सुनिश्चित करे। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि राजस्थान में आधारभूत ढाँचे का विकास ही विकसित-राजस्थान की नींव है।

दांतीवाड़ा-पीपाड़-मेड़ता सिटी (एसएच-21) का विकास व रखरखाव कार्य एशियन विकास बैंक की वित्तीय सहायता द्वारा राजस्थान राज्य राजमार्ग प्राधिकरण, जोधपुर द्वारा करवाया जा रहा है। इस राज्य राजमार्ग की कुल लंबाई 86.7 किमी है। उक्त कार्य की कुल लागत 211 करोड़ रुपए है तथा उक्त परियोजना में 5 ग्रामो के आबादी क्षेत्र में सीसी सड़क के निर्माण के लिए कुल 15.92 करोड़ रुपए अतिरिक्त स्वीकृत किए गए हैं। उक्त परियोजना से जोधपुर से नागौर जिले के मेडता सिटी आने–जाने वाले आवागमन के साधनों को सुविधा होगी। उक्त परियोजना में प्रभावित ग्राम में आबादी क्षेत्र में कुल 17.670 किमी लंबाई में चार लेन सड़क मय नालिया बनाए जाने का प्रावधान किया गया है। जिसमे ग्राम बेनण,बूचकला, बांकलिया, रिया, पीपाड़ सिटी, सातलावास, बीटन, बोरुंदा, इंदावड,मेड़ता सिटी शामिल है। उक्त परियोजना में ग्राम नानण व मादलिया में बाइपास का निर्माण भी किया जाना है। उक्त परियोजना में कुल 7 माइनर ब्रिज व 1 मेजर ब्रिज का निर्माण किया जाना है तथा कुल 34 बस स्टॉप बनाए जाने का निर्णय लिया गया है।

राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों ने सड़क का शेष कार्य भूमि अवाप्ति से बाधित होने के कारण शुरू नहीं किया जाना बताया । इसके समाधान के लिए प्रमुख सचिव गुप्ता ने मौके पर मौजूद उपखंड अधिकारी, पीपाड़ शहर व उपखंड अधिकारी, मेड़ता सिटी को टेलीफोन पर समय पर कब्जा सुपुर्दगी के निर्देश दिये। प्राधिकरण के अधिकारियों को स्वयं समय–समय पर गुणवत्ता की जांच कर सड़क पूर्ण करवाने के निर्देश दिये।

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के उपलक्ष्य में महत्वपूर्ण एवं तार्किक समीक्षा संगोष्टी का हुआ आयोजन

- **भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के मुख्य आतिथ्य एवं सांसद राव राजेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुआ समारोह**
- **विभाजन विभिषिका इतिहास का एक बुरा अध्याय :- मदन राठौड़**
- **विभाजन का समय किसी आंतरिक युद्ध से कम नहीं था राव राजेन्द्र सिंह**
- **लाखों लोग बेघर हुए थे महिला अत्याचार सहित सभी तरह के आपराधिक घटनाक्रमों को दिया गया था अंजाम:-आलोक बेनीवाल**
- **विभाजन विभीषिका काला दिवस :- पंकज सिंह**

चमकता राजस्थान। चंदवाजी (खलील कुरैशी) विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर आज 14 अगस्त को निम्स यूनिवर्सिटी कैम्पस में भाजपा की ओर से संगोष्ठी का आयोजन हुआ संगोष्ठी के संयोजक जिला अध्यक्ष शयाम शर्मा ने बताया कि इस मौके पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भारत के विभाजन की त्रासदी को भुलाया नही जा सकता लाखो लोग विभाजन से बेघर हो गए थे। महिलाओं के साथ अत्याचार, लूटपाट अन्याय हुआ। ये भारत की राजनीति में सबसे बड़ा कलंक था। सांसद जयपुर ग्रामीण राव राजेंद्र सिंह ने कहा कि भारत के इतिहास में विभाजन का संकट किसी युद्ध से कम नहीं था। भारत के विभाजन के दौरान लाखों लोग अनाथ हुए उसे दिन को आज तक भारतवासी भूल नहीं पाए हैं भारत के विभाजन से महात्मा गांधी बहुत आहत हुए थे उसे समय उनके साथ तात्कालिक किसी राजनेताओं ने नहीं दिया उन्होंने कहा कि देश के बंटवारे से भारत को नुकसान हुआ जिसकी भरपाई आज तक नहीं हो पाई जिला अध्यक्ष शयाम शर्मा ने आगंतुक अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि भारत के विभाजन की व्यवस्था का बहुत ही आहत करने वाली उन्होंने राष्ट्रवाद के लिए संगठित रहकर काम करने की अपील की। कार्यक्रम में जमवारामगढ़ विधायक महेंद्र पालमीणा, कोटपूतली विधायक हंसराज पटेल, शाहपुरा के पूर्व विधायक आलोक बेनीवाल, पूर्व मंत्री राजेंद्र यादव, जिला प्रमुख रमा चोपड़ा, भाजयुमो के पूर्व प्रदेश मंत्री देवायुष सिंह, निम्स के निदेशक पंकज सिंह, पंचायत राज प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक एडवोकेट रघुवीर सिंह चौधरी ओबीसी मोर्चा के प्रदेश मंत्री गुड्डू सैनी, भाजपा एससी मोर्चा के जिला अध्यक्ष एडवोकेट बीएस बेनीवाल, जिला महामंत्री बृजेश सोनी, जिला महामंत्री हेमंत निर्मल, जिला महामंत्री गोपाल शर्मा, मीडिया संयोजक दीपक शर्मा, सहसंयोजक सुभाष जोशी, ओबीसी मोर्चा के जिला सहसंयोजक कल्याण बक्श गुर्जर, जिला उपाध्यक्ष मेघराज यादव, पूर्व प्रधान मंजू सैनी, भाजपा नेता उपेन यादव सहित जयपुर से जिला देहात उत्तर के 27 मंडलों के मंडल अध्यक्ष, जिला कार्यकारिणी सदस्य, पदाधिकारी, मंडलों के अध्यक्ष, महामंत्री, शक्ति केंद्र अध्यक्ष सहित कई कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद थे।

एमपी में बड़ा घोटाला : डैम बना नहीं और खर्च कर डाले 243.95 करोड़ रुपए

सिंगरौली/एजेंसी।

मध्यप्रदेश के सिंगरौली में 243.95 करोड़ रुपये का एक घोटाला सामने आया है। हैरानी वाली बात यह है कि सरकार ने जिस डैम के लिए 243.95 करोड़ रुपये खर्च कर डाले, वह डैम आज तक बना ही नहीं।

दरअसल, सिंगरौली में कांग्रेस की कमलनाथ की सरकार में साल 2018 से लेकर 2020 के बीच एक डैम वाटर चैनल बनाने के लिए सरकार द्वारा कंपनियों को 243.95 करोड़ रुपये का एडवांस भुगतान किया गया। इधर, प्रदेश में कमलनाथ की सरकार गिर गई। शिवराज सिंह चौहान की सरकार बनीं, लेकिन ध्यान नहीं दिया गया। प्रदेश में मौजूदा समय में भाजपा की सरकार है, लेकिन डैम का निर्माण कार्य ही नहीं हुआ।

एक रिपोर्ट के अनुसार, कमलनाथ की सरकार ने हैदराबाद की एक कंपनी को डैम बनाने के लिए साल 2019 में ठेका दिया था। सरकार द्वारा कंपनी को इसी साल 243.95 करोड़ रुपये दे दिए गए। डैम बनाने की डेडलाइन 28 मार्च 2024 रखी गई। लेकिन, बीते पांच साल में यहां पर एक पाइप तक नहीं बिछाई गई। डैम का निर्माण कार्य आज तक नहीं शुरू हो पाया।

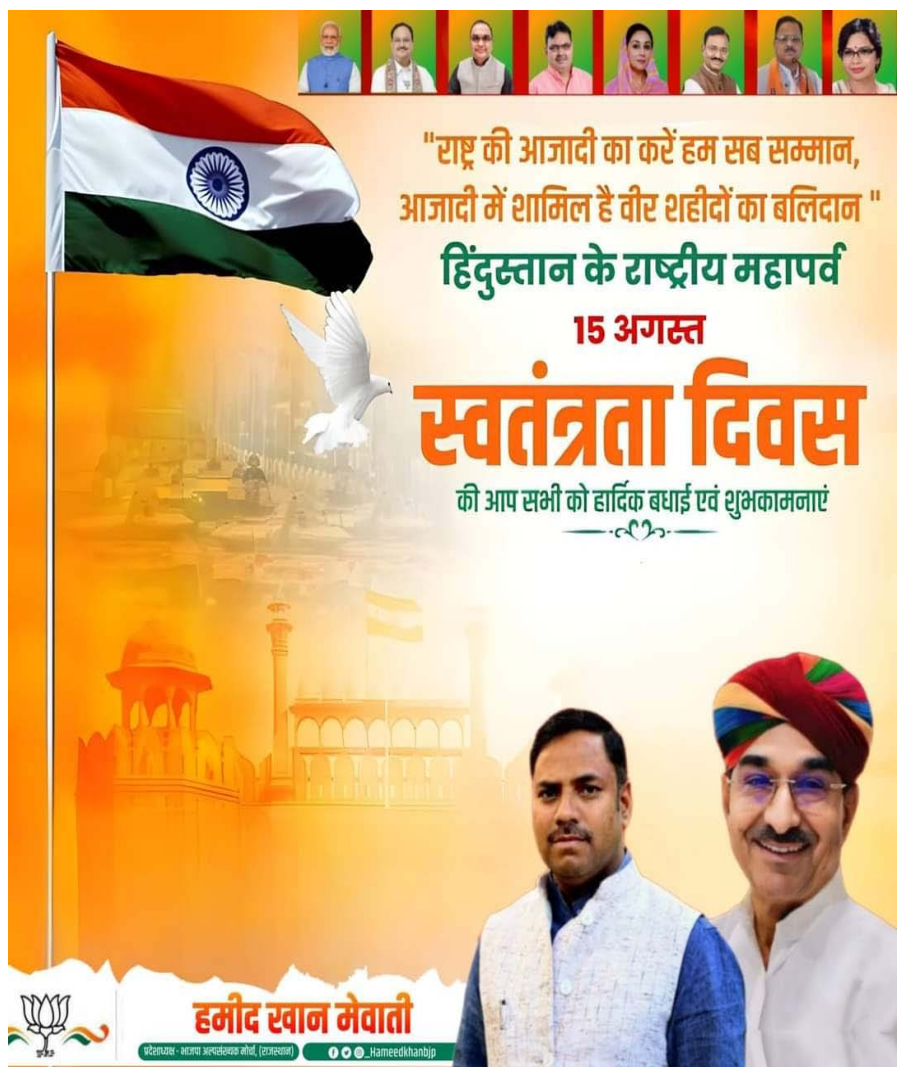

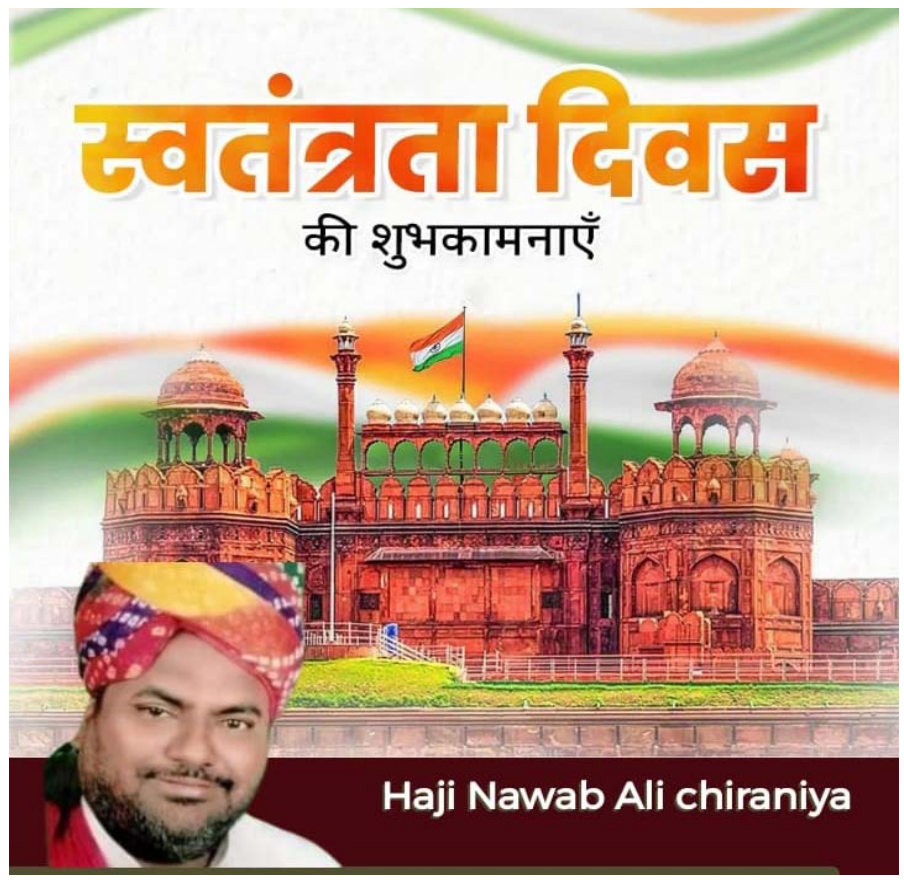

क्या 1947 में मिली थी भारत को आज़ादी? क्या 15 अगस्त है स्वतंत्रता दिवस?

भारत की आज़ादी के इतिहास के पन्ने कहते हैं भारत को उपनिवेश दर्जे पर ऐतराज़ सिर्फ ब्रिटिश संसद में ही नहीं हुआ था, बल्कि कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, न्यूज़ीलैंड और दक्षिण अफ्रीका जैसे उपनिवेशों के नेताओं ने भी ऐतराज़ जताया था क्योंकि वो नहीं चाहते थे कि अश्वेत भारत को श्वेतों के साथ बराबरी का दर्जा मिले.

भारत को आज़ादी 15 अगस्त 1947 को मिली थी. प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने आधी रात को आज़ादी का यादगार भाषण लाल किले से दिया था. लेकिन न तो यह सवाल उठता है और न ही आम तौर से सोचा जाता है कि जब भारत आज़ाद हो गया था, तो एक अंग्रेज़ यानी लुइस माउंटबैटन भारत का गवर्नर जनरल क्यों था?

क्या सच में इस तारीख को भारत आज़ाद हो गया था? कहा तो जा सकता है, लेकिन तकनीकी रूप से यह मानना गलत ही है. 15 अगस्त 1947 वो तारीख थी, जब भारत को ब्रिटेन के स्वतंत्र उपनिवेश का दर्जा मिला था, जिसे भारतीय संघ या भारतीय उपनिवेश कहा गया. क्यों ऐसे में भारत को आज़ाद नहीं माना जा सकता था? उपनिवेश होने से क्या फायदा हुआ और क्या मुश्किलें खड़ी हुईं?

वास्तव में, भारतीय स्वाधीनता एक्ट 1947 के तहत ये प्रावधान हुए थे और भारत का संविधान बनाए जाने की राह खुली थी. जब तक संविधान नहीं बना, तब तक भारत ब्रिटिश कॉमनवेल्थ देशों में एक उपनिवेश के तौर पर शामिल रहा. 26 जनवरी 1950 को भारत का संविधान बनने से ही सही मायनों में भारत को आज़ाद देश के तौर पर पहचान मिली. इतिहास और कायदों के मुताबिक इस किस्से को समझना दिलचस्प है.

क्या होता है उपनिवेश?

आसान शब्दों में उपनिवेश एक स्वाधीन समुदाय तो होता है, लेकिन आखिरकार उसके सिर पर एक राजा या ताज का साया बना रहता है. भारत के मामले में ताज के प्रतिनिधि के तौर पर गवर्नर जनरल की हैसियत से माउंटबैटन रहे थे. ब्रिटिश राज में परंपरागत रूप से रहा वायसराय का पद और दफ्तर 15 अगस्त 47 से खत्म हो गया था. 47 से 50 तक नेहरू ही प्रधानमंत्री रहे, लेकिन उपनिवेश के. उपनिवेश के अर्थ के तौर पर बगैर चुने हुए लोगों ने प्रशासन संभाला और ब्रिटिश राजा के नाम पर शपथ ग्रहण की थी. उपनिवेश के दौरान भारतीय आर्मी का प्रमुख ब्रिटिश फील्ड मार्शल रहा और हाई कोर्ट व संघीय कोर्ट के जजों की नियुक्ति ब्रिटिशों के हाथ में रही. संविधान लागू होते ही भारत को एक संप्रभुता वाले लोकतांत्रिक गणराज्य का दर्जा मिला और वह ब्रिटिश राजशाही से पूरी तरह मुक्त हुआ. लेकिन इस दौरान ये उपनिवेश कई मायनों में अहम रहा.

कैसे हुआ था उपनिवेश पर विचार?

भारत को आज़ाद किस तरह से किया जाए, इसे लेकर उपनिवेश के विचार पर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और ब्रिटिश सरकार कई बार उलझती रही और दोनों अपने मत कई बार बदलते रहे. भारत के उपनिवेश बनाए जाने पर बहस पहले विश्व युद्ध के समय से ही शुरू हो गई थी और 1927 में कांग्रेस के मद्रास अधिवेशन में साइमन कमीशन के विरोध के चलते तय हुआ था कि भारत का अपना संविधान बनाने के लिए एक समिति बनेगी.हालांकि कांग्रेस के साथ ही 1928 में सर्वदलीय सम्मेलन में इस बात पर रज़ामंदी बनी कि भारत का लक्ष्य आज़ादी है, लेकिन उपनिवेश को लेकर कोई आम सहमति नहीं बन सकी. पहले मोतीलाल नेहरू ने उपनिवेश को आज़ादी का दूसरा नाम कहकर इसे अपनाने की बात कही, लेकिन कांग्रेस अध्यक्ष बनते ही जवाहरलाल नेहरू ने इसका विरोध करते हुए कहा कि जब तक सेना और अर्थव्यवस्था हाथ में नहीं आती, भारत पूरी तरह आज़ाद नहीं कहलाएगा.

कैसे बनी उपनिवेश पर सहमति

कई बार सहमति असहमतियों के रास्ते से होकर जब भारत स्वतंत्रता के द्वार के पास खड़ा हुआ था, तब कांग्रेस ने उपनिवेश के दर्जे पर सहमति दी. इसका कारण बताते हुए वैधानिक इतिहासकार रोहित डे ने अपने शोधपत्र में लिखा कि इस दर्जे से भारत को अपने संविधान निर्माण और गणतांत्रिक रचना के लिए समय मिल रहा था. साथ ही, भारत को कई शाही रियासतों को जोड़कर एक भारत बनाने के लिए भी वक्त मिलता. दूसरी तरफ, दूसरे वर्ल्ड वॉर के बाद ब्रिटिश भी हिल चुके थे. 1946 में नेवी और वायु सेना में विद्रोह हो रहा था, पूरे भारत में जगह जगह सांप्रदायिक दंगे व तनाव के हालात बन रहे थे. ऐसे में, ब्रिटिशों का आत्मविश्वास कमज़ोर था. पश्चिमी शक्तियों के विरोध के बावजूद यूके के प्रधानमंत्री क्लमेंट एटली को 30 जून 1948 को भारत को पूर्ण स्वराज का दर्जा देना पड़ा और 21 जून 1948 को माउंटबैटन की जगह चक्रवर्ती राजगोपालाचारी को गवर्नर जनरल बनाया गया.

उपनिवेश से क्या कोई फायदा हुआ?

राजगोपालाचारी के गवर्नर जनरल बनने के बाद भी माउंटबैटन संविधान निर्माण प्रक्रिया की निगरानी करते रहे थे. करीब ढाई साल के उपनिवेश समय में भारत को फायदा यही हुआ कि एक मज़बूत राष्ट्र बनाने में मदद मिली. इंडियन एक्सप्रेस के लिए एक लेख में कॉलमिस्ट मेघनाद देसाई ने भी माना था ब्रिटिशों की इस परंपरा से भारत को मदद ही मिली. अस्ल में एक मज़बूत गणतंत्र और देश बनाने के लिए काफी शक्तियों की ज़रूरत थी और उपनिवेश व्यवस्था ने भारतीय नेताओं को वो शक्तियां मुहैया करवाई. हालांकि इसमें कानूनी अधिकार क्षेत्रों से ज्यादा भी ताकत का इस्तेमाल हुआ, लेकिन उसकी आलोचना भी होती रही. एक्सप्रेस की ही रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस ने कुछ मौकों पर उन्हीं ब्रिटिश दमनकारी नीतियों व कानूनों का इस्तेमाल भी किया, जिसका कभी विरोध किया जाता था. ये आज़ादी झूठी है, कम्युनिस्ट पार्टी ने उस वक्त कांग्रेस के रवैये पर यह आलोचना की थी. फिर भी, एक राष्ट्र बनाने में शाही रियासतों के एकीकरण में कांग्रेस नेताओं ने जिस तरह की ताकतों का इस्तेमाल किया, वह उपनिवेश व्यवस्था का सबसे बड़ा योगदान रहा. दूसरी तरफ, पाकिस्तान 1956 तक उपनिवेश के तौर पर रहा.

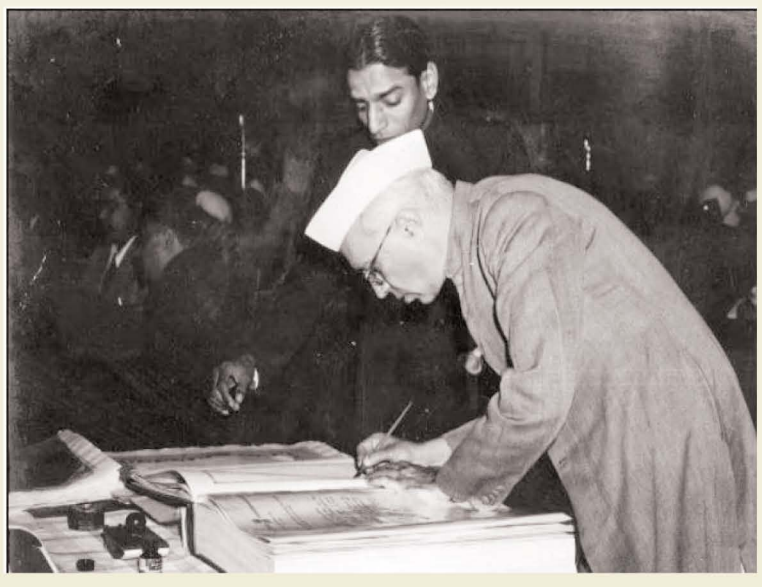

15 अगस्त को ही क्यों मनाया जाता है आजादी दिवस

साल 1947 में देश को आजादी मिलने के बाद हर साल 15 अगस्त को पूरे हिंदुस्तान में हर्षो उल्लास के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है। इस साल भारत अपना 77वां स्वतंत्रता दिवस मनाएगा। स्वतंत्रता दिवस हिंदुस्तान के लिए एक ऐसा दिन होता है, जब हर भारतीय उन जांबाज शहीदों और हस्तियों को याद करता है, जिन्हें आजादी दिलवाने में अपनी जान तक कुर्बान कर दी थीं। लेकिन अगर आपसे यह पूछा जाए कि 15 अगस्त को ही पूरे देश में आजादी दिवस के रूप में क्यों मनाया जाता है तो फिर आपका जवाब क्या होगा? इस आर्टिकल में हम आपको बताने जा रहे हैं कि आखिर 15 अगस्त को ही भारत में आजादी दिवस के रूप में क्यों मनाया जाता है।

15 अगस्त क्यों मनाया जाता है?

हम सभी लोग जानते हैं कि पूरे देश में 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाता है, लेकिन बहुत कम लोग ही जानते हैं कि आखिर 15 अगस्त को ऐसा क्या हुआ था कि इस दिन खुशी हर तरफ खुशी का माहौल रहता है। दरअसल, 15 अगस्त 1947 को तत्कालीन ब्रिटिश हुकूमत से हिंदुस्तान को आजादी मिली थी। आजादी मिलने के बाद एक तारीख निर्धारित किया गया, जिस दिन पूरा देश स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाएगा। ऐसे में 15 अगस्त को भारत के लिए स्वतंत्रता दिवस के लिए चूना गया।

साल 1948 में मिलने वाली आजादी 1947 में ही कैसे मिली?

कहा जाता है कि अंतिम वॉयसरॉय लॉर्ड माउंटबेटन ने भारत की आजादी के लिए साल 1948 तय किया था, लेकिन कई वर्षों और महीनों के संघर्ष, कठिनाई और हर दिन खराब हो रहे परिस्थितियों को देखते हुए लॉर्ड माउंटबेटन को विवश होना पड़ा और भारत की स्वतंत्रता का दिन 1948 से 1947 करना पड़ा। ऐसे में लॉर्ड माउंटबेटन ने 15 अगस्त को आजादी का दिन चूना।

15 अगस्त को ही आजादी दिवस क्यों चुना गया?

यह कहा जाता है कि भारत को 18 जुलाई 1947 को ही आजादी मिल गई थी, लेकिन फिर भी 15 अगस्त का दिन इसके लिए चूना गया। इसके पीछे की कहानी के बारे में कहा जाता है कि तत्कालीन और अंतिम वॉयसरॉय लॉर्ड माउंटबेटन ने जापान के द्वितीय विश्व युद्ध में समर्पण की दूसरी सालगिरह को भारत की आज़ादी का दिन चुना, क्योंकि वो इस दिन को अपने लिए शुभ मनाता था। ऐसे में 15 अगस्त को भारत के लिए आजादी दिवस के रूप में चूना गया।

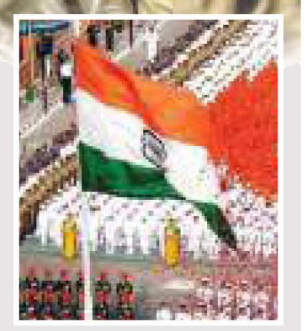

15 अगस्त 1947 का दिन क्यों खास था?

15 अगस्त 1947 हिंदुस्तान अपना पहला आजादी दिवस मना रहा था और उस दिन शुक्रवार था। कहा जाता है कि लॉर्ड माउंटबेटन के अलावा देश के कई महान ज्योतिषियों ने भी ग्रह नक्षत्रों के लिहाज से 15 अगस्त 1947 को आजादी के लिए शुभ दी माना था।

क्या पहले 26 जनवरी को स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाता था?

कहा जाता है कि 1930 से लेकर 1946 तक 26 जनवरी को ही स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाता है। हालांकि, यह कहा जाता है कि 26 जनवरी को ही स्वतंत्रता कांग्रेस द्वारा मनाया जाता था। इसके बाद 1947 में बदलकर 15 अगस्त कर किया गया और संविधान बनने के बाद 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस और 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाने लगा।

लाल किले पर स्वतंत्रता दिवस की तैयारियां जोरों पर, तैयार हो रहा विशेष मंच

देश की राजधानी दिल्ली में स्वतंत्रता दिवस की तैयारियां जोरों पर हैं। स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर लाल किले की सुरक्षा व्यवस्था सख्त कर दी गई है। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लाल किले पर झंडारोहण के लिए विशेष मंच तैयार किया जा रहा है। इस मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश को संबोधित करेंगे और राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे। तैयारियों के तहत लाल किले को सजाया जा रहा है और सुरक्षा व्यवस्था सख्त की गई है। स्वतंत्रता दिवस पर देशभर से लोग लाल किले पहुंचेंगे और झंडारोहण समारोह में भाग लेंगे।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारी

स्वतंत्रता दिवस को देखते हुए व्यापक तैयारियां की जा रही है। सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं, लाल किले के आस-पास सुरक्षा घेरा मजबूत किया जा रहा है। इसके अलावा लाल किले को रोशनी से सजाया जा रहा है और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारी की जा रही है। देशभर से लोग स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले पहुंचेंगे। 15 अगस्त 1947 को भारत को ब्रिटिश हुकूमत से आजादी मिलने के बाद हर साल 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस ऐतिहासिक दिन को मनाने की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इस दिन स्वतंत्रता सेनानियों को याद किया जाता है और आजादी का जश्न मनाया जाता है। स्वतंत्रता दिवस के दिन देशभर में झंडारोहण, परेड, और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।

दिल्ली में आतंकी हमले की आशंका

वहीं, दिल्ली में 15 अगस्त के मौके पर आतंकी हमले की आशंका जताई गई है। इसे लेकर दिल्ली पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा ने आदेश जारी किया है। दिल्ली में पैराग्लाइडर्स, पैरा मोटर्स, हैंग ग्लेडर्स, माइक्रोलाइट एयरक्राफ्ट, हॉट एयर बैलून, पैरा जंपिंग और ड्रोन पर प्रतिबंध लगाया गया है। ये प्रतिबंध 2 अगस्त से लेकर 16 अगस्त तक के लिए लगाया गया है। खतरे को देखते हुए आदेश जारी करने से पहले दिल्ली पुलिस कमिश्नर ने पुलिस अधिकारियों की बैठक कर तैयारियों का जायजा भी लिया था।

स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस के बीच का अंतर जानते हैं?

26 जनवरी का दिन हमारे संविधान बनने के जश्न के रूप में देखा जाता है। लेकिन इससे इतर, कई लोगों के मन में 15 अगस्त और स्वतंत्रता दिवस के बीच के अंतर को समझना कठिन हो जाता है। लोगों का सवाल होता है कि आखिर देश की ये दो ऐतिहासिक तारीखें एक दूसरे से कितनी अलग हैं। तो चलिए आपका ये डाउट भी क्लियर कर देते हैं। पहले दोनों में बेसिक अंतर समझिए स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस भारत के दो महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पर्व हैं। स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को मनाया जाता है। इस दिन भारत ब्रिटिश शासन से स्वतंत्र हुआ था। स्वतंत्रता दिवस भारत की आजादी का प्रतीक है। इस दिन देश भर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाता है, और स्वतंत्रता सेनानियों को याद किया जाता है। वहीं गणतंत्र दिवस 26 जनवरी को मनाया जाता है। इस दिन भारत का संविधान लागू हुआ था। गणतंत्र दिवस भारत के लोकतंत्र का प्रतीक है। इस दिन देश भर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिनमें परेड, झांकियां, और सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 अगस्त को देश के प्रधानमंत्री देश को संबोधित करती हैं। वहीं 26 जनवरी को राष्ट्रपति देश को संबोधित करते हैं।

तिरंगे के ध्वजारोहण और आयोजन स्थल में अंतर

स्वतंत्रता दिवस यानी 15 अगस्त को प्रधानमंत्री लाल किले से झंडा फहराते हैं। वहीं इसके एक दिन पहले देश के राष्ट्रपति टीवी पर राष्ट्र के नाम संदेश देती हैं। गणतंत्र दिवस के दिन राष्ट्रपति झंडा फहराते हैं। हालांकि दोनों दिन झंडा फहराने में अंतर होता है। 15 अगस्त के दिन पीएम झंडे को नीचे से रस्सी खींचकर फहराते हैं। वहीं गणतंत्र दिवस के दिन तिरंगा ऊपर ही बंधा होता है। इसे पूरा खोलकर फहराया जाता है। इस प्रक्रिया को फ्लैग अनफर्लिंग कहते हैं। गणतंत्र दिवस कार्यक्रम दिल्ली के कर्तव्यपथ पर आयोजित होता है। वहीं स्वतंत्रता दिवस लाल किले में आयोजित होता है। गणतंत्र दिवस कार्यक्रम के दौरान भारत की सांस्कृतिक और सामाजिक विरासत झांकियों के माध्यम से देखने को मिलती है। 26 जनवरी का दिन देश के लोकतंत्र बनने के नाम पर भी याद किया जाता है।

बांग्लादेश में हिन्दूओं पर अत्याचार पर गुलाबी नगर में आक्रोश

चमकता राजस्थान

जयपुर 14 अगस्त। बांग्लादेश में हिन्दूओं के प्रति हो रहे अत्याचार और हिंसा को लेकर जयपुर में भी आक्रोश है।हिन्दूओं को निशाना बनाए जाने के विरोध में बुधवार को दोपहर 12 बजे तक बाजार बंद रहे। सर्व हिन्दू समाज द्वारा आयोजित आक्रोश रैली में हजारों की संख्या में लोगों ने शामिल होकर विरोध जताया। रैली में शामिल एक शहरवासी सुधीर ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं के नरसंहार और अत्याचार के विरोध में पूरा विश्व बांग्लादेश के हिंदुओं के साथ है इस भावना के साथ जयपुर के हिंदू समाज के लोग बड़ी संख्या में यहां इकट्ठे हुए हैं। रामलीला मैदान में आयोजित सभा में ओजस्वी कविताओं का पाठ भी किया गया। बरसती बारिश में भी लोगों के हुजुम विरोध प्रदर्शन में पहुंचे।

● आक्रोश के साथ भक्तिभाव का समागम

आक्रोश रैली में संत समाज भी सम्मिलित हुआ। सभा स्थल पर पहुंचे संतों का स्वागत मंच द्वारा किया गया।न्यूगेट स्थित रामलीला मैदान पर सभा में रामधुनि और देशभक्ति गीत हुए।
हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ हुआ ।

● रैली को प्रकृति का आशीर्वाद

शहर में प्रातः काल से होरही बारिश के बीच बड़ी संख्या में महिलाएं और पुरुष
अपने हाथ में ओम पताकाएं एवं तिरंगे झंडे लिए हुए रैली में सम्मिलित हुए।रैली में सम्मिलित पिंकी शर्मा ने कहा कि वर्षा तो प्रकृति का आशीर्वाद है। यह रैली रामलीला मैदान से निकलकर सांगानेरी गेट होते हुए बड़ी चौपड़ पर पहुंची। बड़ी चौपड़ से रैली त्रिपोलिया बाजार, चौड़ा रास्ता होते हुए रामलीला मैदान पर रैली संकल्प के साथ समाप्त हुई कि हिंदू एकजूट है, हिंदू एक है। आपस की छोटी-मोटी बातों को भूलकर विश्व में जहां कहीं भी हिंदू पर अत्याचार होता उसके विरोध में हिंदू एक साथ खड़ा होगा।रैली की विशेषता यह भी रही कि इसमें समाज का सामूहिक नेतृत्व रहा।

● गलता तीर्थ पर सामूहिक तर्पण

प्रातः 9:00 बजें जयपुर में स्थित गलता तीर्थ पर बांग्लादेश में बलिदानी हुए हिंदुओं की आत्मा की शांति के लिए सामूहिक तर्पण कार्यक्रम किया गया। कई स्थानों पर हिंदुओं के संपूर्ण परिवार की सामूहिक हत्या कर दी गई जिन परिवारों के अंतिम संस्कार करने वाला भी कोई शेष नहीं बचा, इसलिए जयपुर के हिंदू समाज द्वारा गलता तीर्थ पर आज यह तर्पण कार्यक्रम रखा गया।इस कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता राजकुमार बेसन वाले, मोहित खंडेलवाल, घनश्याम टेलर, सूरज गोड़ीवाल, महेश गुप्ता, सुरेश आदि उपस्थित रहे।

● गोविन्द के दरबार में हरिनाम संकीर्तन

बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हो रहे अत्याचार रोकने तथा वहां की कार्यकारी सरकार की सद्बुद्धि की प्रार्थना करते हुए मंगलवार रात भर और बुधवार सुबह आराध्य देव गोविंद देवजी मंदिर में हरिनाम संकीर्तन किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने संगीतमय हरिनाम संकीर्तन किया। गोविंद देवजी मंदिर के सेवाधिकारी मानस गोस्वामी ने बताया कि बांग्लादेश में शांति कायम हो और वहां रह रहे हिंदुओं पर अत्याचार रुके इसके लिए प्रभु से प्रार्थना की गई।

संक्षिप्त समाचार

श्रीनगर पंचायत समिति अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने 14 अगस्त को निकाली वाहन तिरंगा रैली।

चमकता राजस्थान। रघुनंदन पारीक श्रीनगर। श्रीनगर विकास अधिकारी महेश चौधरी के आदेशानुसार तिरंगा वाहन रैली निकाली गई। सहायक विकास अधिकारी मुकेश कुमार काकाणी ,सहायक विकास अधिकारी मनोज मोरिया ,सहायक विकास अधिकारी राकेश विजय, सहायक विकास अधिकारी रामदेव लखारा, प्रगती प्रसार अधिकारी रामकिशोर यादव,,सहायक प्रशासनिक अधिकारी महेन्द्र सेन, अय्यन सीमा चौहान, जय्यन हेमलता वर्मा , वरिष्ठ सहायक मोहम्मद यूसुफ,, कनिष्ट सहायक नन्द राम जाट, छऊ गुलाब रावत, सहायक कर्मचारी महेन्द्र सैन , सभी ने मोटर साईकील पर तिरंगा झण्डा लेकर श्रीनगर खेड़ा चोराया से चारभुजा मन्दिर तक तिरंगा रेली निकाली ,ग्रामीणों ने की पुष्प वर्षा से सभी का किया स्वागत।

नागरिक बंधुओ, आप सभी देशवासियों को आजादी की 78 वी वर्षगांठ पर हार्दिक शुभकामनाएं।

चमकता राजस्थान। धौलपुर(रामदास तरुण)। आजादी मनुष्य जीवन की मूल प्रवृति है!स्वतंत्रता सबको आगे बढ़ने, फलने फूलने का अवसर प्रदान करती है। आजादी व्यक्ति, समाज और देश को अपनी नियति बनाने की स्वतंत्रता है। हमारा देश लंबे अरसे तक दूसरो के पराधीन रहा। 15 अगस्त 1947 को एक नए सवेरे का आगमन हुआ! और हम सभी ने खुली हवा में सांस ली। यह आजादी हमें उपकार में नही मिली, इसके लिए हमारे करोड़ो - करोड़ देशभक्तों ने एक से बढ़कर एक अपने जीवन की कुर्वानी दी है। हम उन सभी देशभक्तों के सदा ऋणी रहेंगे। हम उन्हें बार - बार नमन करते है। आजादी हासिल करने के बाद हमने काफी तरक्की की है , किंतु जब तक भारत के एक भी व्यक्ति की आंख में आंसू है ₹! तब तक हमारी आजादी अधूरी है। हमारे किसान और मजदूर आज भी पीड़ित है! हमे उनकी आंखों में चमक लानी होगी। हमे गरीबी, भुखमरी, बेरोजगारी से आजादी चाहिए। हमें जाति व्यवस्था और छुआ - छूत से आजादी की जरूरत है! ताकि सभी देशवासी खुशहाल जीवन जी सकें। स्वय का कल्याण करें! और दूसरो का कल्याण करें! और अपनी क्षमता अनुसार देश की प्रगति में भागीदारी निभाएं।

रिलायंस फाउंडेशन देगा 5,100 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति, हरेक को मिलेंगे दो लाख से छह लाख रुपए

● भारत का सबसे बड़ा छात्रवृत्ति कार्यक्रम

चमकता राजस्थान। मुंबई। रिलायंस फाउंडेशन ने 2024-25 के लिए 5,100 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति देने की घोषणा की है। देश भर के वो विद्यार्थी जो किसी स्नातक (ग्रेजुएट) या स्नातकोत्तर (पोस्ट ग्रेजुएट) कोर्स में प्रवेश चाहते हैं, वो इसमें 6 अक्टूबर, 2024 तक आवेदन कर सकते हैं। ग्रेजुएट कोर्स में हर विषय में छात्रवृत्ति दी जा रही है। ग्रेजुएशन कर रहे हरेक छात्र-छात्रा को दो लाख रुपए तक की स्कॉलरशिप दी जाएगी।
जो छात्र स्नातक या स्नातकोत्तर कोर्स के पहले वर्ष में प्रवेश लेने जा रहे हैं वो इस छात्रवृत्ति के लिए आवेदन कर सकते हैं। स्नातक कोर्स कर रहे विद्यार्थी किसी भी विषय में आवेदन कर सकते हैं। उन्हें छात्रवृत्ति मेरिट और पारिवारिक आय के आधार पर दी जाएगी। स्नातकोत्तर कोर्स में इंजीनियरिंग, टेक्नोलॉजी, एनर्जी और लाइफ साइंस विषयों में छात्रवृत्ति दी जा रही है और यह सिर्फ़ मेरिट के आधार पर दी जाएगी। स्नातकोत्तर कोर्स में प्रवेश लेने जा रहे विद्यार्थियों को छह लाख रुपए तक की छात्रवृत्ति दी जाएगी।
रिलायंस ने अब तक 23,000 से ज़्यादा छात्रवृत्तियां दी हैं। अधिक जानकारी के लिए स्कॉलरशिप्स डॉट रिलायंस फाउंडेशन डॉट ओआरजी पर लॉग-इन कर सकते है।

नौकरी का झांसा व मारपीट कर जातिसूचक शब्दों से अपमानित करने के मामले में आरोपी को किया गिरफतार

चमकता राजस्थान। भरतपुर।(राजवीर सिंह)। नदबई थाना पुलिस ने नौकरी लगवाने का झांसा देकर 5.30 लाख रूपये हडप लेने व मारपीट कर जातिसूचक शब्दों से अपमानित करने के मामले के आरोपी को गिरफतार किया है। वृताधिकारी वृत नदबई श्रीमति पूनम भरगड ने बताया कि 23 मई 2024 को गांव हिंगोली थाना कुम्हेर (डीग) निवासी राजवीरसिंह पुत्र मंगलूराम ने कपिल जिन्दल, राजेन्द्र, पुष्कर, उमाकान्त, पप्पू निवासियान कस्वा नदबई के विरूद्ध उसके बच्चों को रेल्वे, एसएससी, पोस्ट ऑफिस, बैक में क्लर्क के पद पर सरकारी नौकरी लगवाने का झांसा देकर 5 लाख 30 हजार रूपये हड़प लेने और नौकरी नहीं लगवाने पर दिए गए रूपये वापस मांगने पर उसके साथ मारपीट कर जातिसूचक शब्दों से अपमानित करने व धमकी देने का एक मामला थाना नदबई में पंजीवद्व कराया था। उक्त मामले में कार्रवाई करते हुए नामजद आरोपी कपिल जिन्दल पुत्र धनेश उम्र 35 साल जाति वैश्य निवासी रेल्वे स्टेशन रोड कस्वा नदबई को गिरफतार किया गया है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929